संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 332
पृष्ठ 8
मंगलवार
26 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे की आंख में लगा रही हैं भर-भर...

विचार- युवा और ओबीसी की बातों को...

खेल- वनडे में 12 दोहरे शतक में से सात...

भारत और फिजी की आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार

दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका, हैदराबाद हाउस में भारत और फिजी के बीच हुए समझौतों के आदान–प्रदान के साक्षी बने। प्रधानमंत्री मोदी और उनके फिजी समकक्ष राबुका के बीच वार्ता के बाद भारत और फिजी ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका प्रधानमंत्री मोदी की बुधवार को एक संयुक्त प्रेस वार्ता हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने जलवायु परिवर्तन को फिजी के लिए खतरा बताते हुए कहा कि हम आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों से बंटे हुए हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार हैं। इस दौरान फिजी के नेता भी उनके साथ थे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, 33 वर्षों के बाद, 2014 में, किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिजी का दौरा किया। मुझे बहुत खुशी और गर्व है कि यह मेरा सौभाग्य था। उस समय, हमने फॉरेन फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कोऑपरेशन–FIPIC का गठन किया था। इस पहल ने न केवल भारत–फिजी संबंधों को बल्कि पूरे प्रशांत क्षेत्र के साथ हमारे संबंधों को भी मजबूत किया। प्रधानमंत्री राबुका की इस यात्रा के साथ, हम अपने संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ रहे हैं। भारत और फिजी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिजी के समकक्ष सितवेनी लिगामामादा राबुका के साथ व्यापक वार्ता के बाद अपने रक्षा संबंधों को विस्तार देने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और फिजी भले ही महासागरों की दूरी पर हों, लेकिन हमारी आकांक्षाएं एक ही नाव पर सवार हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और फिजी एक स्वतंत्र, समावेशी, खुले, सुरक्षित और समृद्ध भारत–प्रशांत का समर्थन करते हैं। राबुका रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के प्रधानमंत्री के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में फ़िजी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ बढ़ाने के चीन के अथक प्रयासों की पृष्ठभूमि में, भारत फ़िजी के साथ अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। मोदी और राबुका के बीच वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को व्यापक बनाने के लिए सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने कहा, ष्हमने रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने का फैसला किया है। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत फिजी की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और उपकरण सहायता प्रदान करेगा। अपने संबोधन में मोदी ने वैश्विक दक्षिण के लिए भारत की प्राथमिकताओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक दक्षिण के विकास में सहयात्री है। उन्होंने कहा, हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था के निर्माण में भागीदार हैं, जहां वैश्विक दक्षिण की स्वतंत्रता, विचारों और पहचान का सम्मान किया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन फिजी के लिए खतरा है और नई दिल्ली आपदा प्रतिक्रिया से निपटने में उसकी मदद करेगी।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर बोले राजनाथ सिंह

भारतीय सेनाओं ने कायराना हमलों का दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादियों ने लोगों के नाम और धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी थी, लेकिन हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। राजस्थान के जोधपुर में बोलते हुए, वह जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। राजनाथ ने यह भी कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' (सारी दुनिया एक परिवार है) की अवधारणा में विश्वास करता है और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और तय किए गए ठिकानों पर सटीक हमला किया। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी समूहों से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किए गए। वह एक रक्षा और खेल अकादमी का उद्घाटन करने और सैनिकों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए जोधपुर में थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं जब भी, हमारे किशोरों और युवाओं से मिलता हूँ, और उनकी आँखों में चमक और संकल्प देखता हूँ, उससे मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। यही ऊर्जा, हमारे आने वाले भारत की पहचान है।

न्यायालय का जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने संबंधी याचिकाओं पर तय तारीख से पूर्व सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित तारीख से पहले करने से सोमवार को इनकार कर दिया और कहा कि मामला पहले ही 10 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 14 अगस्त को केंद्र शासित प्रदेश का राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुरोध वाली एक अन्य याचिका पर केंद्र से आठ सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। एक वकील ने पीठ से कहा, '' मैं अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से संबंधित अवमानना घ्ध्याचिका को जल्द सूचीबद्ध करने का अनुरोध कर रहा हूं। जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा दिया जाना था।'' पीठ में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया भी शामिल थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''यह पहले से ही 10 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध है।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''संवैधानिक पीठ सुनवाई कर रही है (पीठ राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा तय करने संबंधी राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई कर रही है)।'' केंद्र से जवाब मांगते हुए पीठ ने पहले कहा था, ''आपको ज़मीनी हक़ीक़तों पर भी ध्यान देना होगा... पहलगाम में जो हुआ आप उसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते।'' पीठ ने यह बात तब कही जब एक वकील ने जल्द सुनवाई की मांग की थी। पिछले साल शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर कर केंद्र को दो महीने के भीतर राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

अमित शाह ने संविधान संशोधन विधेयक का किया बचाव, धनखड़ के इस्तीफे पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सरकार के प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक का बचाव किया किया। साथ ही, उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर चल रही अटकलों को भी सिरे से खारिज कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, शाह ने इस कदम के पीछे राजनीतिक द्वेष के दावों को साफ तौर पर खारिज कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'जगदीप धनखड़ जी एक संवैधानिक पद पर थे और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने संविधान के अनुसार बहुत अच्छा काम किया।' उन्होंने आगे स्पष्ट किया, धनखड़ जी ने अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य समस्या के कारण इस्तीफा दिया है। किसी को भी इस बात को बढ़ा–चढ़ाकर पेश करने और इसमें कुछ और खोजने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। 130वें संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों द्वारा जेपीसी का बहिष्कार करने पर, अमित शाह ने कहा कि मौजूदा लोग ज़रूरी काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया गया है और अगर वे इस मौके का फ़ायदा नहीं उठाना चाहते, तो यह उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा, शजेपीसी अपना काम करेगी। मौजूदा लोग काम करेंगे। कल, अगर विपक्ष अभी से लेकर चार साल तक किसी काम में सहयोग नहीं करेगा, तो क्या देश नहीं चलेगा? ऐसे नहीं चलता। हम बस इतना कर सकते हैं कि उन्हें अपनी बात रखने का मौका दें। अगर वे अपनी बात नहीं रखना चाहते, अगर वे बोलना नहीं चाहते, तो देश की जनता भी ये सब देख रही है।

सीएम योगी से परिवार सहित मिले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जिन्होंने हाल ही में एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के ऐतिहासिक मिशन को पूरा किया। एक्स पर एक पोस्ट में, यूपी मुख्यमंत्री कार्यालय ने लिखा कि आज, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के लखनऊ स्थित आधिकारिक आवास पर, राष्ट्र के सपूत, अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जी ने ऐतिहासिक एक्सिओम 4 मिशन के सफल संचालन और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से उनकी सुरक्षित वापसी के बाद शिष्टाचार भेंट की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि आप अपनी सफल यात्रा के बाद अब लखनऊ वापस आ गए हैं। उत्तर प्रदेश इस यात्रा से प्राप्त अनुभवों का लाभ उठाना चाहेगा। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मैंने इस तरह के उत्साह की उम्मीद नहीं की थी। मैं सचमुच अभिभूत हूँ। घर वापस आकर अच्छा लग रहा है। मैं लोगों द्वारा व्यक्त किए जा रहे प्यार और समर्थन से प्रसन्न हूँ.. मैं उत्साहित हूँ कि जो गति बनी है, वह हमें अपनी विज्ञान यात्रा में उस स्थान तक पहुँचने में मदद करेगी जहाँ हम पहुँचना चाहते हैं। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने अपने विद्यालय, गोमतीनगर स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में भी भाग लिया। इस अवसर पर, उन्होंने छात्रों को 2040 तक चाँद पर उतरने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया। अपने भाषण में, ग्रुप कैप्टन ने कहा कि आज सुबह मैं बहुत थका हुआ था। फिर मैंने आप बच्चों को सड़कों पर देखा, और मुझे बताया गया कि आप सुबह 7:30 बजे से वहाँ खड़े हैं। मैंने आपको पसीना बहाते, मुस्कुराते और इतने उत्साहित देखा कि मेरी सारी थकान गायब हो गई। उन्होंने आगे कहा कि सफल होने के लिए केवल ष्दृढ़ताष् की आवश्यकता होती है। शुक्ला ने कहा, ष्मेरे समग्र अनुभव में, मुझे लगता है कि भविष्य बेहद उज्ज्वल है। हम सही समय पर हैं, सही अवसर मौजूद हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर आपसे हुई मेरी हर बातचीत में, मुझसे कभी यह सवाल नहीं पूछा गया कि आईएसएस पर कैसा अनुभव होता है। मुझसे हमेशा पूछा जाता था कि अंतरिक्ष यात्री कैसे बनें। इससे पता चलता है कि आपका मन किस दिशा में जा रहा है। नासा के एक्सिओम–4 अंतरिक्ष मिशन को पूरा करने के बाद 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे शुक्ला 17 अगस्त को दिल्ली पहुँचे।

न्यायालय ने दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से माफी मांगने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के प्रस्तोता समय रैना सहित पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से कहा कि वे दिव्यांग और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से पीड़ित व्यक्तियों का उपहास उड़ाने के लिए अपने पॉडकास्ट या कार्यक्रम में बिना शर्त माफी मांगें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र से दिव्यांगों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को अपमानित करने या उनका उपहास उड़ाने वाले भाषणों पर अंकुश लगाने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को कहा। पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अन्य समुदायों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले व्यावसायिक भाषण पर लागू नहीं हो सकती। न्यायालय ने कहा कि वह बाद में रैना सहित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों का अपमान करने के लिए उन पर जुर्माना लगाने पर विचार करेगा। पांचों पर दिव्यांगों और 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' (एसएमए) तथा दृष्टिबाधित लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप है।

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग का आदेश पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयुक्त के उस आदेश को रद्द करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्नातक की डिग्री का विवरण सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है, जिसमें डिग्री जारी करने का निर्देश दिया गया था। 2016 में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने 1978 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यह परीक्षा उत्तीर्ण की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर जनवरी 2017 में सुनवाई की पहली तारीख को रोक लगा दी गई थी। सुनवाई के दौरान, विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि आरटीआई आवेदन पर सीआईसी के आदेश को रद्द कर दिया जाना चाहिए क्योंकि निजता का अधिकार जानने के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने तर्क दिया कि वह छात्रों की जानकारी को एक प्रत्ययी क्षमता में रखता है और व्यापक जनहित के अभाव में केवल जिज्ञासा के आधार पर आरटीआई कानून के तहत निजी जानकारी मांगने का औचित्य नहीं बनता। विश्वविद्यालय ने तर्क दिया, धारा 6 में यह अनिवार्य प्रावधान है कि जानकारी देनी होगी, यही उद्देश्य है। लेकिन आरटीआई अधिनियम किसी की जिज्ञासा को शांत करने के उद्देश्य से नहीं है। हालाँकि, उसने अदालत से कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के डिग्री रिकॉर्ड अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने को तैयार है, लेकिन आरटीआई अधिनियम के तहत अजनबियों द्वारा जाँचष्के लिए उन्हें प्रकट नहीं कर सकता। आरटीआई आवेदक नीरज शर्मा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने सीआईसी के आदेश का बचाव करते हुए तर्क दिया कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम व्यापक जनहित में प्रधानमंत्री के शैक्षिक रिकॉर्ड के प्रकटीकरण की अनुमति देता है। उन्होंने यह भी कहा कि आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी आमतौर पर किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित की जाती है और इसे नोटिस बोर्ड, वेबसाइट और यहाँ तक कि समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किया जाता है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने विश्वविद्यालय की अपील स्वीकार कर ली और आयुक्त के आदेश को रद्द कर दिया।

स्व. डा ज़मीर अहसन की किताब 'दरिया से दरिया' तक का लोकार्पण

श्रीरामचरितमानस के बालकाण्ड का सरल उर्दू में अनुवाद है यह किताब

प्रयागराज। रविवार को अदब घर , करेली में मरहूम डा ज़मीर अहसन साहेब की किताब दरिया से दरिया तक श का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह किताब गोस्वामी तुलसीदास विरचित श्रीरामचरितमानस मानस के बालकाण्ड का उर्दू में काव्यानुवाद किया था। उनके अधूरे सपने को पूरा करते हुए उनकी सुपुत्री शायरा अतिया नूर साहिबा ने इसका संपादन किया है। फरीदाबाद, हरियाणा के ब्राइट एम पी पब्लिशर ने इसे प्रकाशित किया है। कुल 294 पेज की इस पुस्तक में बालकांड का सरल उर्दू में, देवनागरी लिपि में पहली बार काव्य अनुवाद देखने को मिलता है। पहले सत्र का सफ़ल संचालन श्री रवि कुमार मिश्रा जी ने किया, जबकि द्वितीय सत्र काव्य गोष्ठी का संचालन बज़्म–ए– गंग–ओ–जमन के रूह–ए–रवां मुहतरम फ़रमूद इलाहाबादी ने किया।

लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री काज़िम आबिदी साहेब ने कहा कि श्श्री राम को अपने जीवन में उतारिये , राजनीति में नहीं श। उन्होंने कहा कि स्व. ज़मीर अहसन ने पूरे समाज के लिए एक बड़ा कारनामा अंजाम दिया है। कवि , शायर एवं लेखक स्व. डा अहसन की इस कृति पर बोलते हुए मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर सालेहा रशीद साहिबा ने श्दरिया से दरिया तकश को सम्पूर्ण मानव समाज के लिए उपयोगी ग्रंथ बताया। उन्होंने कहा डा. ज़मीर अहसन की बेटी ने इस किताब को मंज़रे आम पर ला कर न सिर्फ़ पिता के अधूरे ख़्वाब को पूरा किया है, बल्कि दरिया से दरिया तक के माध्यम से दुनिया में एक मिसाल भी पेश की है। श्री शील धर मिश्रा जी ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए साहित्य को समाज का आईना बताया। उन्होंने अपने प्रकाशन में निकलने वाली किताबों का ज़िक्र करते हुए नई लेखनी को प्रोत्साहित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित शहर समता समाचार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी ने डा ज़मीर अहसन को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व को नमन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी शख्सियतें कभी– कभार ही पैदा होती हैं। अपने अदबी सफ़र और शुरुआती दिनों में उनसे अपनी मुलाक़ात की चर्चा करते हुए उन्होंने रोचक प्रसंग भी सुनाये। विशिष्ट अतिथि डा. प्रदीप चित्रांशी जी ने कहा कि स्व.डा ज़मीर अहसन की यह कृति वास्तव में एक ऐतिहासिक धरोहर है। प्रदीप जी ने कहा कि लेखक ने इस किताब के ज़रिए एक बात साफ़ कर दी है कि वो धर्म को एक – दूसरे से जोड़ने वाली कड़ी के रूप में देखते हैं। वक्ता संगीता श्रीवास्तव श्सुमनश ने किताब की संपादक बेग़म अतिया नूर की काविशों को सलाम करते हुए कहा कि उनके पिता की यह कृति वास्तव में गोस्वामी तुलसीदास जी की भावभूमि की अनुभूति कराती है। उन्होंने कहा कि चुटकी भर उत्पातियों का कोई वजूद नहीं होता। हमारा मुल्क, हमारा समाज, हम भारत के लोग हमेशा से भाषाओं आस्थाओं और तहज़ीबों का सम्मान करने वाले हैं। इस मौक़े पर डा. नीलिमा मिश्रा ने कहा कि श्दरिया से दरिया तकश को पढ़ते हुए उनकी आंखें वैसे ही भर आईं , मन विह्वल हो उठा जैसा गोस्वामी तुलसीदास जी के रामायण को पढ़ते हुए होता है।

दूसरे सत्र में शह्र के कई शायर – शायरात ने अपना कलाम पेश किया। बेग़म अतिया नूर,सेलाल इलाहाबादी, उमेश श्रीवास्तव, जी, डा प्रदीप चित्रांशी जी, रवि कुमार मिश्रा जी, फ़रमूद इलाहाबादी और संगीता श्रीवास्तव सुमन, प्रकाश सिंह अश्क,आदि ने अपनी रचनाओं से खूब वाहवाही लूटी।

सीएमपी कॉलेज गेट के पास छात्र पर जानलेवा हमला

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज गेट के समीप एक छात्र पर जानलेवा हमला कर जख्मी कर दिया गया। आरोप है कि हमलावरों ने चेताया कि पुलिस का मुखबिर बनते हो, जान से मारे जाओगे। कर्नलगंज थाने की पुलिस तहरीर के आधार पर आकाश, सोनू राव कात्या, अभय सिंह बग्गा, आदित्य यादव व 15 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी है। जौनपुर के जाफराबाद शहबडेपुर निवासी आदर्श शुक्ला की तहरीर के अनुसार, वह सीएमपी डिग्री कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष का छात्र है। 20 अगस्त को कॉलेज से मार्कशीट लेकर निकल रहा था। आरोप है कि तभी कॉलेज गेट के पास आरोपियों ने रोक लिया और गाली–गलौज करने लगे। बोले कि पुलिस का मुखबिर बनोगे और ईंट व डंडे से हमला कर जख्मी कर दिया। आदर्श के ने शोर मचाने पर जब तक अन्य छात्र पहुंचते, हमलावर फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

हत्यारोपी के घर नोटिस चस्पा, जगह–जगह कराई मुनादी

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाने की पुलिस ने फरार हत्यारोपी के घर न्यायालय के आदेश पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया। इसके अलावा राजरूपपुर क्षेत्र में मुनादी कराई गई। पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों–राजरूपपुर तिराहा, पीएनबी बैंक, पोस्ट ऑफिस राजरूपपुर, सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन और कालिंदीपुरम चौराहे पर आरोपी की फोटो युक्त पोस्टर भी चस्पा कराई। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के रीवा निवासी दलबीर सिंह की लूकरगंज में 12 फरवरी को हत्या हुई थी। इस मामले में चार आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। लेकिन, एक आरोपी रफात हुसैन निवासी राजरूपपुर निवासी फरार चल रहा है। सीजेएम न्यायालय से धारा 84 बीएनएसएस के तहत जारी नोटिस चस्पा की गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि हत्यारोपी की सूचना देने वाले का नाम व पता गोपनीय रखा जाएगा।

चोरी करते समय छूटे मोबाइल से पकड़ाया चोर

प्रयागराज। अतरसुइया थाना क्षेत्र में दो घरों में चोरी की वारदात हुई थी। चोरी करते समय एक आरोपी का मोबाइल छूट गया। मोबाइल की जांच के आधार पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद सरफराज उर्फ भय्यू निवासी कसारी–मसारी के पास से सोने की अंगूठी, हार, चांदी की सुपारी, पायल व 23280 रुपये नकदी और एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, मीरापुर निवासी अरुण कुमार मिश्रा के बंद मकान का 16 अगस्त को ताला तोड़कर चोरी की गई थी। वहीं 15 अगस्त को रोहित जायसवाल के घर से लाखों के गहने चोरी हो गई। चोरी करते समय एक आरोपी का मोबाइल रोहित जायसवाल के घर पर ही छूट गया था। पुलिस ने उस मोबाइल की जांच की, तो चोरों का पता चल गया। अतरसुइया पुलिस टीम ने चोर को गोल पार्क के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी सरफराज पर पहले से 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में कुत्तों का डेरा

प्रयागराज। मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में यदि आप इलाज के लिए जा रहे हैं तो कुत्तों से सावधान रहिए। क्योंकि इस समय बड़ी संख्या में कुत्ते ट्रामा सेंटर में मंडराते रहते हैं। सोमवार को दोपहर में झूंसी से इलाज कराने आए सुबोध सिंह के तीमारदारों पर तीन कुत्तों ने

हमला कर दिया। किसी तरह वे भागकर ट्रामा सेंटर के अंदर चले गए लेकिन घुटने में खरोच लग गई। ट्रामा सेंटर में कुत्तों के आतंक से मरीजों और तीमारदारों को परेशानी हो रही है। अस्पताल में सैनिक कल्याण निगम के 80 सुरक्षा गार्ड तैनात हैं लेकिन आवारा कुत्तों के आगे वे भी असहाय हैं। ट्रामा सेंटर में प्रतिदिन लगभग 300 मरीज आते हैं साथ ही मरीजों से चार गुना अधिक तीमारदार आते हैं। ऐसे में ट्रामा सेंटर जैसे संवेदनशील वार्ड में कुत्तों की भीड़ खतरा पैदा कर रही है।

सांसद प्रमोद तिवारी ने अक्षत को श्रद्धांजलि दी

प्रयागराज। राज्यसभा में विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी ने रविवार देर शाम कांग्रेस महासचिव मुकुंद तिवारी के तेलियरगंज आवास पहुंच उनके भतीजे अक्षत के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी। कहा कि पिता के सामने उसके बेटे का जाना सबसे बड़ा आघात है। दुःख की इस घड़ी में मेरा और संपूर्ण कांग्रेस परिवार आपके साथ है। इसके बाद अलोपीबाग में डॉ. एसएम सिंह के

आवास गए, जहां उनके बेटे डॉ. राहुल सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस दौरान उनकी बेटी डॉ. विजयश्री, शहर कांग्रेस अध्यक्ष फुज़ैल हाशमी, पूर्व विधायक विजय प्रकाश, सुधाकर तिवारी, किशोर वार्ष्णेय, हरिकेश त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

तीज पर बाजार में रौनक, साड़ियों से लेकर गहनों तक की खरीदारी

प्रयागराज। हरितालिका तीज की तैयारियों ने बाजारों में रौनक भर दी है। महिलाओं की सबसे बड़ी पसंद सोलह शृंगार के सामान चूड़ी, बिंदी, मेहंदी, लिपस्टिक और नेल पॉलिश की अच्छी बिक्री हो रही है। शहर के चौक, कटरा, सिविल लाइंस से लेकर धूमनगंज और तेलियरगंज तक के बाजारों में रौनक दिख रही है। ब्यूटी पार्लरों में एडवांस बुकिंग चल रही है और मेहंदी कलाकारों के पास काम की भरमार है। पूजा में चढ़ाने के लिए शृंगार का पूरा सेट छोटा पैकेट 50 से 60 रुपये तो बड़ा पैकैट 120 रुपये में मिल रहा है। साड़ी की दुकानों पर भीड़ देखते ही बन रही है।

बनारसी, सिल्क, कॉटन और डिजाइनर सूट की डिमांड बढ़ी है। हरी, गुलाबी और लाल शेड की साड़ियों की बिक्री सबसे ज्यादा हो रही है। महिलाएं त्योहार के लिए नए फैशन वाले ब्लाउज और गोटापत्ती वर्क वाली साड़ियां पसंद कर रही हैं। वहीं ब्यूटी पार्लरों में महिलाओं ने एडवांस बुकिंग करा ली है। फेशियल, हेयर स्टाइलिंग और मेकअप के पैकेज 500 रुपये से 2,000 रुपये तक उपलब्ध हैं। मेहंदी कलाकारों के पास बुकिंग फुल है। सुभाष चौराहे पर डिजाइन के हिसाब से 100 रुपये से दो हजार रुपये तक के रेट चल रहे हैं।

मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों का जमावड़ा लगा है। मोबाइल और गिफ्ट शॉप्स पर भी ग्राहकों की भीड़ है। सर्राफा कारोबार में आई तेजी पिछले कुछ दिनों से सोना 102200 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 118500 रुपये प्रति किलो का रेट चल रहा है। महंगाई के कारण सोने और चांदी की दुकानों पर मंदी की स्थिति बन गई थी लेकिन तीज की तैयारियों ने तेजी दी है।

हालांकि इस बार सोना से ज्यादा चांदी के गहनों की बिक्री बढ़ी है। सुनहरी गोल्ड एंड डायमंड के निदेशक हर्षवर्धन और इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि पायल और बिछिया की ज्यादा मांग है। बॉक्स कैट का अनुमान दृ करोड़ों का कारोबार कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) यूपी के अध्यक्ष महेंद्र गोयल के मुताबिक इस बार तीज पर प्रयागराज में भारी कारोबार होने की संभावना है। साड़ी और कपड़ों में करीब ढाई करोड़, ज्वेलरी में पांच करोड़, मिठाई में दो करोड़ और मोबाइल व अन्य पूजा सामग्री में डेढ़ करोड़ों रुपये का व्यापार होने का अनुमान है।

छात्र और युवक मलबे में दबे युवक को बचाने में लगे रहे, नहीं मिली कोई मदद

प्रयागराज। रामबाग रेलवे स्टेशन की निर्माणाधीन दीवार गिरने से मौके पर अफरातफरी मच गई। इस बीच ठेकेदार भाग गया और बचाव में कोई तत्काल नजर नहीं आया।

घटना के वायरल वीडियो में स्थानीय छात्र और युवक मलबे में दबे धर्मेंद्र को बचाने की भरसक कोशिश करते दिख रहे हैं।

मलाकराज निवासी आकाश केसरवानी, सूरज, सनी, भास्कर और मोनू उन युवकों के नाम हैं जिन्होंने शनिवार को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ही हादसे के बाद धर्मेंद्र को बचाने में जुटे थे। इन युवकों का घर, निर्माणाधीन दीवार के ठीक सामने हैं। शनिवार दोपहर आकाश अपने घर में था। उस वक्त तेज बारिश हो रही थी।

दोपहर करीब दो बजे अचानक टीन शेड गिरने की आवाज आई तो आकाश घर से बाहर निकला। चीख सुनकर दौड़ा। उसने सिर्फ गमछा पहन रहा था। उसी हालत में पड़ोसी दोस्तों के साथ मलबे में दबे मजदूरों को बचाने में जुट गया। स्थानीय युवकों की मानें तो ठेकेदार हादसे के बाद नजर नहीं आया। मजदूर भी भाग निकले।

आठ फीड नीचे गड्ढा था। उस वक्त किसी के पास कोई सामान नहीं था। फावड़ा के बिना सभी युवक हाथ से मलबा निकलने लगे। मजदूर धर्मेंद्र मलबे में पूरी तरह से दब चुका था। उसका सिर्फ सिर नजर आ रहा था। इन युवकों ने हाथों से मिट्टी हटा कर उसे निकालने में लगे थे। कोई मदद न मिलने से डेढ़ घंटा लग गया।

बाद में जीआरपी, आरपीएफ और कीडगंज थाने की पुलिस एसडीआरएफ के साथ पहुंची लेकिन तब तक इन युवकों ने धर्मेंद्र को बाहर निकाल लिया था। जीआरपी उसे एसआरएन अस्पताल ले गई जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रयागराज में 25 ई–साइकिल का पहले होगा ट्रायल

प्रयागराज। सबकुछ ठीक रहा तो शहरवासी किराए की ई–साइकिल (ई–बाइक) पर सवारी करेंगे। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने शहर में ऐसी ई–साइकिल किराए पर देने की योजना बनाई है, जो कम से कम 25 किमी बैटरी से चलेगी। बैटरी डिस्चार्ज होने पर ई–साइकिल को सामान्य साइकिल की तरह चलाना होगा। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने ट्रायल के लिए 25 ई–साइकिल मंगवाई है। ट्रायल सफल होने पर पुरानी साइकलों को ई–साइकिल में तब्दील किया जाएगा। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड के आईटी अफसर ने बताया कि ई–साइकिल का संचालन कहां से होगा, यह अभी तय नहीं है। ट्रायल में सफल होने के बाद ही पुरानी साइकिल की जगह ई–साइकिल स्टैंडों पर खड़ी की जाएंगी।

कानूनी अड़चन में उलझा डीएलएड का प्रवेश

प्रयागराज। प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक भर्ती के लिए अनिवार्य डिप्लोमा इन एलिमेंटरी एजुकेशन (डीएलएड) या पूर्व में बीटीसी प्रशिक्षण के 2025–26 शैक्षणिक सत्र का प्रवेश कानूनी अड़चनों में उलझ गया है। पिछले साल हाईकोर्ट ने डीएलएड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता इंटरमीडिएट की जगह स्नातक करने संबंधी राज्य सरकार के शासनादेश को रद कर दिया था। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की अधिसूचना के मुताबिक 12वीं के बाद डीएलएड का प्रशिक्षण होना चाहिए हालांकि उत्तर प्रदेश में स्नातक पास अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता था। चूंकि पिछले साल हाईकोर्ट का आदेश आने से पहले ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी तो याचिका करने वाले अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में शामिल होने का मौका देते हुए प्रवेश पूरे कर लिए गए थे। लेकिन यह मामला अभी हाईकोर्ट में विचाराधीन है और यही कारण है कि परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय की ओर से प्रवेश के लिए प्रस्ताव शासन को नहीं भेजा जा रहा है। हाईकोर्ट से कोई निर्णय होने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। डीएलएड में प्रवेश के लिए हर साल आमतौर पर ऑनलाइन आवेदन मई या जून में शुरू हो जाते हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो प्रवेश प्रक्रिया पहले ही तीन महीने पिछड़ चुकी है। प्रदेश के 67 जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की 10600 व 2974 निजी कॉलेजों की 2,22,750 कुल 2,33,350 सीटें हैं। काउंसिलिंग में शामिल नहीं हुए थे याचिकाकर्ता प्रयागराज। 12वीं के बाद डीएलएड में प्रवेश के लिए याचिका करने वाले यशांक खंडेलवाल और नौ अन्य अभ्यर्थी में से कोई भी प्रवेश के लिए काउंसिलिंग में शामिल नहीं हुआ था। पिछले साल परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने इन याचिकाकर्ताओं को पत्र भेजकर काउंसिलिंग में शामिल होने को कहा था लेकिन कोई नहीं आया था।

झांसी का इतिहास और सूर्य कुंड की गाथा भी देखेंगे

प्रयागराज। आजाद पार्क में लगातार प्रयागराज का इतिहास देख रहे लोगों को अब दो नए शो देखने को मिलेंगे। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड शो में बदलाव करने जा रहा है। सप्ताह में दो दिन लोगों को झांसी का इतिहास और अयोध्या के सूर्य कुंड की गाथा लेजर शो में देखने को मिलेगी। सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो आगामी बुधवार और गुरुवार से दोनों नए शो की शुरुआत की जाएगी। नई व्यवस्था में अब तीन अलग–अलग शो देखने को मिलेंगे। पीएससीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर दिव्या ने बताया कि शो में बदलाव जरूरी था। शो की शुरुआत से लोग प्रयागराज का इतिहास ही देख रहे थे। शो में बदलाव की अरसे से तैयारी चल रही थी।

आजाद पार्क में लाइट एंड साउंड शो का टिकट शुल्क बढ़ा

प्रयागराज। आजाद पार्क में संचालित लाइट एंड साउंड शो का टिकट शुल्क बढ़ा दिया गया है। खासकर सामने बैठकर शो देखने वालों को जेब ढीली करनी पड़ेगी। टिकट का शुल्क बढ़ाने के साथ दो नए शो भी देखने को मिलेंगे। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से संचालित शो में 30 रुपये का टिकट अब 50 रुपये में खरीदना होगा। टिकट का नया रेट लागू भी कर दिया गया है। अब तक सामने बैठकर शो देखने वालों को 30 रुपये का टिकट खरीदना पड़ता था। पीछे की सीट का टिकट 50 रुपये था। अब 30 रुपये का टिकट 50 रुपये कर दिया गया है। 50 रुपये के टिकट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। शो का टिकट का शुल्क बढ़ाए जाने का कोई कारण नहीं बताया जा रहा है। चर्चा है कि प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अपनी आय बढ़ाने के लिए टिकट का शुल्क बढ़ाया है। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की प्रोजेक्ट मैनेजर दिव्या ने 30 रुपये का टिकट 50 रुपये करने की पुष्टि की।

काली घटाओं के संग–संग दिखा कृष्ण–बलदाऊ का अप्रतिम स्वरूप

सुबह से आसमान में छायी काली घटाओं और रिमझिम फुहारों के बीच रविवार की देर शाम सुलेमसराय का दधिकांदो मेला अपनी पूरी भव्यता व जनमानस के उल्लास के बीच आयोजित हुआ। सुलेमसराय स्थित ठाकुर द्वारा मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण–बलदाऊ का विधि विधान से पूजन किया गया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरुण टंडन, सांसद प्रवीण पटेल, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्त, पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल व शैलेंद्र कुमार ने भगवान की आरती उतारी। मेला अध्यक्ष पियूष केसरवानी की अगुवाई में पदाधिकारियों ने प्रतीकात्मक हाथी पर अप्रतिम स्वरूप में सुसज्जित कृष्ण–बलदाऊ को विराजमान किया। काशी से आए डमरू दल के सदस्यों ने डमरू बजाते हुए दल का अभिवादन किया।

छात्रावासों में कक्ष आवंटन के लिए एचआईवी की रिपोर्ट अनिवार्य

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) ने छात्रावास प्रवेश व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब यहां भी आईआईटी और एनआईटी की तरह एचआईवी रिपोर्ट के साथ ही आवश्यक चिकित्सीय प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिए गए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह कदम छात्रों की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

शताब्दी पुरुष छात्रावास के अधीक्षक प्रो. राहुल पटेल की ओर से सत्र 2025–26 के लिए नोटिफिकेशन जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि बीएएलएलबी नवप्रवेशी छात्रों को हॉस्टल प्रवेश के लिए आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ–साथ एचआईवी, हेपेटाइटिस–बी और हेपेटाइटिस–सी की जांच रिपोर्ट भी जमा करनी होगी। इसके अलावा छात्रों को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के अंकपत्र, प्रवेश पत्र, प्रवेश परीक्षा शुल्क रसीद, जाति प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, और माता–पिता के पहचान पत्रों की छायाप्रति भी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करनी होगी। सभी दस्तावेजों के साथ आवेदन पांच सितंबर तक शताब्दी पुरुष हॉस्टल कार्यालय में जमा करना होगा।

पहली बार वाक इन इंटरव्यू से होगी 33 अतिथि प्रवक्ताओं की भर्ती

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य सुचारु रूप से शुरू कराने के लिए प्रशासन ने अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। पहली बार वॉक–इन इंटरव्यू के जरिए 33 अतिथि प्रवक्ताओं की भर्ती की जाएगी। यह प्रक्रिया 28 से 30 अगस्त के मध्य कैंपस में होगी। पांच संकाय (कला, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि और फार्मेसी)

के कुल 25 पाठ्यक्रमों के लिए इन अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। नियुक्ति की अवधि 11 महीने के लिए होगी। अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में शामिल होने के लिए अपने शैक्षिक दस्तावेज के साथ एक हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि नियमित शिक्षकों की भर्ती अब तक नहीं हो पाई है। यदि तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था न की गई, तो नई सत्र की कक्षाएं समय पर शुरू नहीं हो सकेंगी। इसी कारण गेस्ट फैकल्टी की नियुक्ति का फैसला लिया गया है ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि सभी विषयों में योग्य अभ्यर्थियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा।

इससे पहले अतिथि प्रवक्ताओं की भर्ती लंबी प्रक्रिया के तहत होती थी, लेकिन इस बार त्वरित प्रक्रिया अपनाई गई है ताकि समय रहते कक्षाएं संचालित हो सकें। पहली बार होगा कि सीधे वॉक–इन इंटरव्यू के आधार पर इतने बड़े पैमाने पर अतिथि प्रवक्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। इसमें सर्वाधिक फार्मेसी में छह, कम्प्यूटर साइंस में चार, रसायन विज्ञान में तीन, इसके अलावा सभी कोर्स में एक–एक पदों पर नियुक्ति होगी।

पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में बढ़ी बीस फीसदी हरियाली

प्रयागराज। शहरी इलाके में बीते पांच वर्षों के अंतराल में बीस फीसदी हरियाली में इजाफा हुआ है। उद्यान विभाग के मुताबिक वर्ष 2019 के बाद से शहर के विभिन्न उद्यान पार्कों में पेड़ और पौधों में वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें मुख्य रूप से हाइकोर्ट व सर्किट हाउस परिसर, चंद्रशेखर आजाद पार्क,

खुसरोबाग उद्यान समेत अन्य स्थान शामिल है।

खुसरोबाग के उद्यान प्रभारी वीके सिंह ने बताया कि विगत पांच वर्षों में शहर के विभिन्न पार्कों में पेड़ पौधों की वजह से बीस फीसदी तक हरियाली में बढ़ोत्तरी हुई है।

इसमें मुख्य रूप से मचीरा, पॉम प्रजातियां, जूनी प्रेस, फाइकस, चांदनी, क्रोटन, चांदनी समेत अन्य सुंदरीकरण पेड़ और पौधे शामिल है।

वहीं, आम शहरियों में पेड़–पौधों के प्रति जागरूकता बड़ी है। टैरिस गार्डन के प्रति लोग तेजी से बढ़ रहे है। उद्यान की नर्सरी से अबतक चार सौ अधिक लोगों ने टैरिस गार्डन के लिए पौधे ले जा चुके है। जो दर्शाता है की आम शहरी भी पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रहा है।

भयहरण नाथ धाम में हरि तालिका तीज मेला आज

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गत वर्षो की भाँति हरितालिका तीज के पावन अवसर पर 26 अगस्त को तीज मेला का आयोजन होगा। परम्परागत मंगल वार मेला का दिन होने के कारण यह पर्व सुबह से ही भव्य स्वरूप लेगा।

तीज मेला में 26 अगस्त को अपराह्न 2 बजे से देर रात्रि तक निर्जला ब्रती हजारों महिलाए तीज ब्रत के अवसर पर देवधिदेव भोले भयहरण नाथ धाम का पूजन करेंगी। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने इस अवसर पर मुख्य मन्दिर सहित सभी मंदिरों में गत वर्षो की भाँति साफ सफाई , प्रकाश व्यवस्था व सुव्यवस्था हेतु संबंधित पुजारी व व्यवस्था समितियों ने जिम्मेदारी ली है। पुलिस व नगर पंचायत द्वारा समुचित सहयोग प्रदान होगा। प्रबन्ध समिति के संरक्षक, पदाधिकारी गण प्रतिभाग कर सभी व्यवस्था की निगरानी व सहयोग प्रदान करेंगे। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम को सभी व्यवस्था में सहयोग की जिम्मेदारी दी गई।

राधा अष्टमी महोत्सव 31 अगस्त को मनाया जाएगा

मुजफ्फरनगर। राधा माधव संकीर्तन संघ परिवार द्वारा एक बैठक का आयोजन आर्य समाज मंदिर पर किया गया। जिसमें आगामी 31 अगस्त दिन रविवार को आशीर्वाद बैंकट हॉल जानसठ रोड पर राधा अष्टमी महोत्सव मनाने के लिए समस्त

तैयारी हेतु बैठक का आयोजन किया गया। इस महोत्सव का गुणगान करने के लिए मुख्य गायक दिव्या दास जी हिसार वाले एवं इंदु शर्मा देहरादून से आ रहे हैं इस अवसर पर मंगल शहनाई वादन फूल बंगला दिव्य श्रृंगार दर्शन एवं छप्पन भोग तथा श्री राधा रसोई की व्यवस्था रहेगी इस बैठक में मुख्य रूप से समस्त सेवादार उपस्थित रहे।

पाखी हेगड़े अब जे.पी. यादव के शो में दिखेंगी पटना से होगी धमाकेदार शुरुआत!

मुजफ्फरनगर। बिहार और उत्तरप्रदेश के दर्शकों के दिलों की धड़कन जे.पी. यादव, जिन्हें युवा पीढ़ी ने हमेशा अपार प्यार और सम्मान दिया है, अब एक नए और भव्य रूप में जनता के

सामने आ रहे हैं। इस बार उनका साथ देने जा रही हैं मशहूर अदाकारा पाखी हेगड़े, जो अपने नए अंदाज़ और ऊर्जा से शो में चार चाँद लगाने वाली हैं। पाखी हेगड़े ने कहा कि "इस शो में मैं आप सबसे एक नए अंदाज़ में मिलने वाली हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी दर्शक इस शो को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाएँगे और हमेशा की तरह हमें अपना प्यार और आशीर्वाद देंगे।" यह शो सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि दर्शकों को एक नई उमंग और सकारात्मक संदेश भी देगा। शो का भव्य सेट पटना में सज चुका है और शूटिंग 29 अगस्त 2025 से शुरू होने जा रही है। दर्शकों में पहले से ही इस शो को लेकर खासा उत्साह है, क्योंकि जे.पी. यादव और पाखी हेगड़े की जोड़ी पर्दे पर एक अलग ही आकर्षण और ताजगी लेकर आने वाली है।

पूर्व पोस्ट मास्टर व प्रबन्ध समिति सदस्य छन्नू पांडेय के निधन पर शोक

प्रतापगढ़। बाबा भयहरण नाथ धाम की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के संस्थापक सदस्य व कटरा गुलाब सिंह के पूर्व पोस्ट मास्टर हृदय नारायण पांडेय छन्नू पांडेय के निधन पर क्षेत्र व समाज में शोक की लहर फैल गई। कीर्ति शेष छन्नू पांडेय जी की अंतिम क्रिया श्रृंगवेरपुर धाम में क्षेत्रीय समाज व परिवारी जनों द्वारा विधि विधान से संपन्न हुआ।

धाम की प्रबन्ध समिति के संस्थापक सदस्य के रूप में श्री पांडेय के योगदान की सराहना प्रबन्ध समिति सदस्यों द्वारा की गई। अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में सभी ने गहरी संवेदना प्रकट की। वहीं विधायक विश्वनाथ गंज जीतलाल पटेल, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव तथा लोकपाल मनरेगा व धाम के महासचिव समाज शेखर ने छन्नू पांडेय जी के अंतिम यात्रा में शामिल होकर शोक संवेदना व्यक्त किया। संरक्षक गण देवी प्रसाद मिश्र, लालता प्रसाद मिश्र, अशोक मिश्र, विवेक सिंह, डॉ अमर बहादुर सिंह, धर्म चंद्र अग्रहरि, शिव गोबिंद शर्मा, रमा शंकर सिंह, राजीव नयन मिश्र, राजू तिवारी, राकेश मिश्र, सुरेंद्र पांडेय, अजब नारायण पांडेय तथा हरि ओम पांडेय लाल आदि ने गहरी संवेदना प्रकट किया।

बाढ़ संवेदनशीलता का शोधपरक आकलन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महविश अंजुम ने बिहार के दरभंगा जिले में बाढ़ संवेदनशीलता के महत्वपूर्ण पैटर्न को उजागर करने वाला कार्य किया है। व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन मंडल के सदस्यों ने बिहार के दरभंगा जिले के गांवों में बाढ़ संवेदनशीलता में चिंताजनक असमानताओं को अपने प्रयास से उजागर किया है। इस शोधपरक कार्य में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के डेवलपमेंट स्टडीज विभाग के सीनियर शोधार्थी अलोक कुमार दूबे तथा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार के भूगोल विभाग के शोधार्थी आकाश कुमार ने भी डॉ. महविश अंजुम का सहयोग किया है। यह शोधात्मक अध्ययन भारत के सबसे बाढ़–प्रवण क्षेत्रों में से एक के लिए बाढ़ जोखिम आकलन पद्धति के महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। षबिराउल उप–विभाग दरभंगा जिला, बिहार में बाढ़ संवेदनशीलता का मूल्यांकन और शमन के लिए एक भू–स्थानिक दृष्टिकोण॰ शीर्षक से यह अध्ययन अत्याधुनिक भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) तकनीक का उपयोग करते हुए उन्नत स्थानिक विश्लेषण तकनीकों के साथ गांव स्तर पर बाढ़ संवेदनशीलता का आकलन करता है। इसमें सूक्ष्म–स्तरीय विश्लेषण पारंपरिक जिला–स्तरीय आकलन से एक प्रतिमान परिवर्तन का प्रतिनिधित्व होता है। संवेदनशील समुदायों की पहचान में अभूतपूर्व सटीकता प्रदान करता है और लक्षित हस्तक्षेप रणनीतियों को सूचित करता है।

Alok kumar Dubey

Akash Kumar

शोधकर्ताओं ने प्राथमिक और द्वितीयक डेटा स्रोतों को एकीकृत करते हुए एक परिष्कृत पद्धति का उपयोग किया। स्थानिक प्रक्षेपण के लिए उलटी दूरी भारण (आईडीडब्ल्यू) का उपयोग करते हुए 67 सावधानीपूर्वक चयनित सामाजिक–आर्थिक, अवसंरचनात्मक और पर्यावरणीय संकेतकों से व्युत्पन्न एक व्यापक बाढ़ संवेदनशीलता सूचकांक (एफवीआई) को विकसित किया गया। अध्ययन क्षेत्र को रणनीतिक रूप से कमला–बलान नदी के चारों ओर तीन बफर जोन में विभाजित किया गया था। विभिन्न संवेदनशीलता स्तरों का प्रतिनिधित्व करने वाले 13 गांवों में विस्तृत विश्लेषण किया गया। स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण के माध्यम से टीम के सदस्यों ने 260 परिवारों का सर्वेक्षण किया। सांख्यिकीय विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक चयनित गांव से 20 उत्तर एकत्रीकरण का लक्ष्य डॉ. महविश अंजुम, आकाश कुमार दुबे तथा आलोक कुमार द्वारा संयुक्त रूप से पूरा किया गया है।

साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश की मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

जौनपुर ससाहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश की मासिक काव्य गोष्ठी बाबू रामेश्वर प्रसाद सिंह सभागार रासमंडल में आयोजित हुई। प्रख्यात कवि गिरीश कुमार गिरीश की अध्यक्षता में सर्व प्रथम रामजीत मिश्र की ग्यारहवीं रचना श्शपहचान खोती जिंदगी श्श का लोकार्पण हुआ। कोशिश परिवार के सम्मानित सदस्य अनिल उपाध्याय जी के पुत्र का चयन लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि विभाग मे सहायक आचार्य पद पर हुआ। इस बधाई और शुभकामना व्यक्त किया गया।इसके बाद कवि गोष्ठी की शुरुआत अमृत प्रकाश के शेर––मुझे छोटा समझती थी ये दुनिया/मेरे हाथों मे जब करतब नहीं था।नंदलाल समीर ने लोकभाषा में जब पढ़ा––जहाँ रहय अमीर/वहीं बहय समीर/सच्चा साथी के सब मौका परस्त हौ।तब लोक की व्यथा सुनाई दी।आशिक जौनपुरी रमेश सेठ का शेर––गर ये आँचल नहीं उडा तो क्या हवा न चली/गर तेरे लब न मुस्कराये तो क्या कली न खिली।गोष्ठी को रोमांचित कर दिया।अंसार जौनपुरी का शेर––लिखा है वक्त के माथे पे जो कुछ पढ रहा हूँ मैं/मगर इन दूर की बातों को कोई नादान क्या समझे। गोष्ठी को संवेदित कर गया तो वहीं डॉक्टर संजय सागर का नज्म––उनकी याद आ गई/खुशी के फूल खिल गये।खूब पसंद किया गया।राजेश पांडेय की कविता––हाँ मैं ही कारण सत्ता हूँश्अध्यात्मिक रस बिखेर गई तो वहीं अनिल उपाध्याय की क्षणिका––मंच से उनके ओजस्वी भाषण में/अपनापन और प्यार छलका/

लेकिन आँखों की भाषा ने संकेत किया छल–का/समाजिक विकृति का सटीक विश्लेषण कर गई। रामजीत मिश्र की कविता––काँटों से अगर मुझको भी हो जाती मोहब्बत/दिल का गुलाब मेरे भी तब खिल गया होता।खूब पसंद आई। जनार्दन प्रसाद अष्ठाना पथिक का गीत––श्श्क्या कहूँ सब दुर्दशा की अब कहानी हो गई हैश्शविरह का चित्रण कर गया। सभाजीत द्विवेदी प्रखर की रचना ––बहनों का सिंदूर लुटा था/माँ की गोदी सूनी थी/तब जाकरके लाल किले पर यह झंडा फहरारा था। देश–प्रेम की भावना से भरपूर लगी। अशोक मिश्र की रचना––प्रेम जब बिलखता है,आँसुओं को चखता है,हृदय से बुलाता है/तब कन्हैया आता है/लोक मन की पीड़ा का दर्शन करा पाई। अध्यक्ष गिरीश कुमार गिरीश ने समीक्षा के साथ एक विशेष शेर से गोष्ठी को रससिक्त कर दिया––– भींगी हुई माचिस की तीली है ज़िन्दगी।। चुभती हुई सुई सी नुकीली है ज़िन्दगी।। बहला रहे हैं खुद को अकेले में बैठकर– चूल्हे पे चढी खाली पतीली है जिन्दगी।। –आयोजिका डाक्टर विमला सिंह ने जीवन दर्शन से भरपूर कविता सुनाई। गोष्ठी में डाक्टर ऐश्वर्या सिन्हा चित्रांश,रूपेश साथी,उषा सैनी कमलेश कुमार ,संजय सेठ अध्यक्ष जेब्रा जौनपुर की उल्लेखनीय सहभागिता रही।संचालन अशोक मिश्र ने किया। आभार ज्ञापन और कोशिश की आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश प्रो.आर.एन.सिंह ने डाला।

केएम विवि में हुआ त्रिदिवसीय श्रीगणेश महोत्सव के पोस्टर का विमोचन

महाराष्ट्र की तर्ज पर होगी 27 अगस्त को गणेशजी मूर्ति स्थापना

मथुरा। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से महाराष्ट्र की तर्ज पर मथुरा जिले के कस्बा सौंख के पालीडूंगरा स्थित केएम विश्वविद्यालय में आगामी 27 अगस्त 2025 से 29 अगस्त 2025 तक विघ्नहर्ता गणेश मंडल के तत्वावधान में बड़े धूमधाम से आयोजित किए जाने वाले भव्य श्रीगणेश महोत्सव 2025 वर्ष कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डा. पूरन सिंह, उपकुलसचिव सुनील अग्रवाल, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, विवि सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी, खेल डायरेक्टर आरके शर्मा, डा. एसटी वलि की विशेष उपस्थिति में यूनीवर्सिटी की बिल्डिंग पर किया गया। कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा धार्मिक आयोजनों से छात्र–छात्राओं में संस्कार, आपसी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है और श्रीगणेश महोत्सव के माध्यम से गणपति बप्पा का आगमन विश्वविद्यालय के लिए खुशहाली, सम्पन्नता, तरक्की का आशीर्वाद देने वाला होगा। तीन दिवसीय कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में छात्र–छात्राएं अपनी सहभागिता दिखाकर अपने साथियों का मनोबल बढ़ाये। विघ्नहर्ता गणेश मंडल के अध्यक्ष डा. सुमित पाटिल, डा. राजदीप नायक, डा. पवन, डा. अतुल, डा. जैश, डा. साबल ने बताया तीन दिवसीय महोत्सव में 27 अगस्त की सायं महाराष्ट्र की तर्ज पर गणेशजी शोभायात्रा के साथ विवि के परिसर में विवि के कुलाधिपति की अध्यक्षता में भगवान गणेशजी मूर्ति की स्थापना विधि–विधान से की जाएगी, उसके पश्चात रात्रि में मौसम पटेल, अंजली सिंह के निर्देशन में गरवा का भव्य आयोजन किया जाएगा। 28 अगस्त को गैदरिंग के आयोजन में सभी मेडीकल छात्र–छात्राएं अपनी प्रतिभा दिखाएंगे एवं 29 अगस्त को विराट शोभायात्रा के साथ यमुनाजी में गणेशजी का विसर्जन होगा।

काव्य मंजूषा साहित्यिक पटल पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। काव्य मंजूषा साहित्यिक पटल द्वारा रविवार, 24 अगस्त 2025 को "जश्ने अवध साहित्य उत्सव" काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन आईआईएम रोड स्थित होटल मैजेस्टिक में हुआ। यह साहित्यिक उत्सव कवि और कवयित्रियों के लिए एक सजीव मंच साबित हुआ, जहाँ विविध रसोंकृहास्य, व्यंग्य और श्रृंगारकृकी छटा बिखरी और काव्य रसिकों ने आनंदविभोर होकर तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूँजा दिया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य देश के कोने–कोने से आए साहित्यकारों को एक मंच पर जोड़ना और साहित्यिक संस्कृति के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना था। यह प्रयास अपने उद्देश्य में पूर्णतरू सफल रहा।

कार्यक्रम का संचालन सधी हुई प्रस्तुति और कवियों की सरस रचनाओं के कारण अत्यंत रोचक और आकर्षक रहा। समापन सत्र में काव्य पाठ करने वाले सभी कवियों एवं कवयित्रियों को काव्य मंजूषा साहित्यिक पटल की संस्थापिका ऋतु तिवारी जी द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी मंच को सुशोभित करने वाले कवियों में देश के अनेक प्रांतों से पधारे प्रतिष्ठित नाम सम्मिलित रहे, जिनमें– सुभाष द्विवेदी (कानपुर), विशु तिवारी (बीकानेर), प्रकाश मित्रवत (मधुबनी, बिहार), विजय पुरोहित षबिजू॰ (अहमदाबाद), अजय वर्मा (वाराणसी), अजय वर्मा श्मासूमश (लखनऊ), अजय वर्मा ष्साथी॰ (लखनऊ), जगन्नाथ राय (गाज़ियाबाद), अलका निगम (लखनऊ), डॉ. किरन दयाल (लखनऊ), निर्दोष कुमार षविन॰ (बरेली), रिज़वान फरीदी (बरेली), मनोज पांडेय ष्मुसाफ़िर॰ (अमेठी), संजीव कुमार ष्तनिक॰ (बरेली), रश्मि श्रीवास्तव (लखनऊ), नेहा शिवम् सक्सेना (लखनऊ), डॉ. बृजभूषण राही (बरेली), कुलदीप शुक्ला (लखनऊ), दीपांशी शुक्ला (लखनऊ), शशी तिवारी (लखनऊ), रोहित वर्मा (दिल्ली), दीद लखनवी (दिल्ली), विक्रम सिंह बरनी (देहरादून), डॉ. नवीन जोशी ष्नवल॰ (दिल्ली), सर्वेश अग्रहरी (मिर्जापुर), नीरज प्रजापति (वाराणसी), डॉ. राजेश हर्षवर्धन (लखनऊ), कविता मिश्रा (लखनऊ), सलमान अयाज़ (बरेली), पद्मनाभ त्रिपाठी (इंदौर), ऋतु तिवारी (लखनऊ), प्रियंका अग्निहोत्री (काशी), सुरभि श्रीवास्तव (लखनऊ), सर्वेश कुमार दुबे (वाराणसी), डॉ. सुषमा श्रीवास्तव (लखनऊ), अमित कुमार अंजान (वाराणसी), सुनीता सिंह (लखनऊ), आशीष भदौरिया (लखनऊ), विनय साहू निश्छल (इलाहाबाद), श्री श्री (लखनऊ), इंद्रजीत सिंह ष्इंद्र॰ (दिल्ली), गायत्री जोशी अरुणिमा (लखनऊ), चेतना तिवारी (वाराणसी), उदय भास्कर, अभिलाषा अरुण (पुणे) प्रमुख रहे। सभी कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाओं का पाठ कर रसिकों को साहित्य के अद्भुत संसार में पहुँचा दिया। कार्यक्रम के पश्चात सभी साहित्यमित्रों ने इसे अवध की मिट्टी से उपजा साहित्यिक उत्सव बताया और इसे यादगार अनुभव के रूप में संजोने की बात कही।

मंजर है यह बाढ़ का

(कुण्डलिया)

सुरसा–सा मुँह खोलकर, खेल करें जब बाढ़।
कहीं जश्न की रात है, कहीं जिन्दगी गाढ़।
कहीं जिन्दगी गाढ़, सुनाती अपनी गाथा।
पूड़ी–सब्जी बाँट, बताते खुद को दाता।
सुन लो कहें प्रदीप, शब्द की होती बरसा।
रोटी को मुहताज, भूख भी लगती सुरसा।

मंजर है यह बाढ़ का,टीले बनते ठाँव।
नदियों के आगोश में,शरण ले रहे गाँव।
शरण ले रहे गाँव, भूख ने पैर पसारे।
दाता हुए अनाथ, लुप्त हो गए सहारे।
सुन लो कहें प्रदीप, देख दुनिया–आडंबर।
उनसे रहो सतर्क, लाभ हित देखें मंजर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भाजपा चौक मण्डल के नवनियुक्त पदाधिकारियों का किया गया जोरदार स्वागत

प्रयागराज। भाजपा चौक मण्डल की बैठक में भाजपा उपाध्यक्ष अनिल केशरवानी (झल्लर जी) की उपस्थिति में हुई जिसमें उन्होंने 6 प्रमुख कार्यक्रमो को लेकर लोगों को जागरूक किया जिनमें पार्टी का स्थापना दिवस , अंबेडकर जयंती, श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म दिवस, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के कार्यक्रम ,पंडित अटल बिहारी बाजपेई जी के जयंती एवं अंतिम एकलव्य दिवस के साथ पार्टी नियमित रूप से करती हैं चौक मंडल द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा की सराहना किया तथा कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी जी का विशेष सहयोग और महापौर गणेश केशरवानी तथा पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी की जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता जी की सराहना किया उपस्थित को भी सराहा चौक मण्डल के अध्यक्ष सुमित वैश्य के कार्यों की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण और जय श्री राम का पट्टा पहना कर स्वागत किया जिसमें बचपन गुप्ता मनमोहन मिश्रा मयंक अग्रवाल कुमकुम श्रीवास्तव पण्डित अनूप मिश्रा गुड्डू कनौजिया, माशु अब्बास नक़वी, नितिन श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

कानपुर-बेंगलुरु त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 04131/04132 कानपुर सेन्ट्रल-सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु-कानपुर सेन्ट्रल (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

04131 कानपुर सेन्ट्रल-सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु			04132 सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु-कानपुर सेन्ट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
(रविवार)	16:30	कानपुर सेन्ट्रल	03:45	(शुक्रवार)
17:38	17:40	फतेहपुर	(शुक्र.)01:05	01:07
20:20	20:30	प्रयागराज जं.	23:10	23:20
21:43	21:45	शंकरगढ़	22:08	22:10
23:03	23:05	हमौरा	21:40	21:42
23:53	23:55	मानिकपुर जं.	21:20	21:22
(सोम.)00:50	00:55	सतना	19:50	19:55
02:30	02:40	कटनी	17:20	17:30
04:10	04:15	मदनमहल	16:00	16:05
08:10	08:20	इटारसी	12:35	12:40
15:50	15:55	नागपुर जं.	07:30	07:35
19:55	20:00	बल्हारशाह	03:55	04:00
20:50	20:52	सिरपुर कागज नगर	02:35	02:37
21:20	21:22	बेल्लमपल्ली	02:05	02:07
21:35	21:37	मंचिर्याल	01:50	01:52
23:35	23:40	वरंगल	(शुक्र.)00:05	00:07
(मंगल.)00:45	00:47	खम्मम	22:38	22:40
03:35	03:45	विजयवाड़ा जं.	21:10	21:20
04:45	04:47	चीराला	19:05	19:07
05:18	05:20	ओंगोल	18:23	18:25
06:35	06:37	नेल्लूर	16:38	16:40
09:20	09:30	रेणिगुंटा जं.	14:35	14:45
12:00	12:10	काटपाड़ी जं.	12:15	12:25
13:40	13:45	जोलारपेट्टै जं.	11:00	11:05
14:43	14:45	डंगारपेट जं.	07:53	07:55
16:23	16:25	कृष्णराजपुरम	07:23	07:25
18:30	(मंगलवार)	सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु	(बुधवार)	07:10

•कानपुर सेन्ट्रल से गाड़ी संख्या 04131 दिनांकः 14.09.2025 से 09.11.2025 (प्रत्येक रविवार) •सर.एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु से गाड़ी संख्या 04132, दिनांकः 17.09.2025 से 12.11.2025 (प्रत्येक बुधवार)

गाड़ी संरचना : स्लीपर श्रेणी-08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, सामान्य श्रेणी-08,

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1521/25(MG)

सम्पादकीय.......

आनलाइन जुऑघर का अंत

निश्चित तौर पर 28 प्रतिशत जीएसटी राजस्व को दरकिनार करते हुए मोदी सरकार ने आनलाइन जुआ घरों की बंदी पर मुहर लगा दी है। पैसों की लालच में अब तक आनलाइन जुए के चक्कर में हजारों लोगों ने आत्महत्या कर ली तो लाखों लोग कर्जदार और बर्बाद हो गए। वैसे तो ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा संगठित जुआ बना हुआ है। इसलिए इसे प्रतिबंधित करने के लिए लाए गए विधेयक को देर से, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम माना जाएगा। यह भी स्वागतयोग्य है कि इसके दायरे में उन ऑनलाइन गेम्स को नहीं रखा गया है, जिसमें पैसे का लेन–देन नहीं होता। बहरहाल, इस इंडस्ट्री से बहुत बड़े स्वार्थ जुड़े हुए हैं। इसलिए बिल पारित होने के बाद भी प्रस्तावित कानून के प्रभावी ढंग से लागू हो पाने को लेकर आशंकाएं हैं। बताया जा रहा है कि गेमिंग इंडस्ट्री इसे न्यायपालिका में चुनौती देने की तैयारी में है। प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के खिलाफ सरकार और अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर लॉबिंग शुरू कर दी है। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन व विनियमन विधेयक, 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अब कानून का रूप ले चुका है। इस कानून के लागू होते ही भारत के ऑनलाइन गेमिंग परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ गया है। शुक्रवा लजर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद से पारित इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी।ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े नए कानून लागू होने के बाद सभी ऑनलाइन मनी गेम्स, चाहे वे स्किल पर आधारित हों या किस्मत पर तथा इसमें ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स और लॉटरी भी शामिल होंगे।ऐसे खेलों से जुड़े विज्ञापन, प्रमोशन और बैंक या पेमेंट ऐप्स के जरिए होने वाले लेन–देन पर भी प्रतिबंध है।मनी गेम्स ऑफर करने पर अधिकतम 3 साल की जेल और एक करोड़ रुपये तक जुर्माना होगा। विज्ञापन करने पर 2 साल की जेल और 50 लाख रुपये जुर्माना होगा। दोहराने पर 3 से 5 साल की जेल और दो करोड़ रुपये तक का जुर्माना होगा। केंद्र सरकार या नए प्राधिकरण के निर्देशों का पालन न करने पर 10 लाख का जुर्माना, पंजीकरण निलंबन या रद्दीकरण, और संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है। मेजबानी और वित्तीय सुविधा से संबंधित अपराधों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के तहत स्पष्ट रूप से संज्ञेय और गैर–जमानती घोषित किया गया है। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन व विनियमन विधेयक, 2025 के तहत अब केंद्र सरकार ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी नामक नया राष्ट्रीय निकाय बनाएगी। यह ऑनलाइन गेम्स को श्रेणीबद्ध और पंजीकृत करेगा। यह तय करेगा कि कौन सा गेम प्रतिबंधित मनी गेम है। शिकायतों का निपटारा और नियमों का पालन सुनिश्चित करेगा।विधेयक के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए एक नया प्राधिकरण स्थापित किया जाएगा। इसकी प्रारंभिक लागत लगभग ध्50 करोड़ और वार्षिक लागत ध्20 करोड़ होने का अनुमान है, जिसका वित्तपोषण भारत की संचित निधि से किया जाएगा।ई–स्पोर्ट्स को मान्यता प्राप्त नियमों और मानकों के साथ आभासी मैदानों में खेले जाने वाले प्रतिस्पर्धी कौशल–आधारित खेलों के रूप में परिभाषित किया गया है। सरकार ने पहले ही 2022 में ई–स्पोर्ट्स को एक बहु–खेल आयोजन के रूप में मान्यता दे दी थी। हालाकि इस विधेयक के आने के साथ ही भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ), ई–गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) और भारतीय फैंटेसी खेल महासंघ (एफआईएफएस) ने इस विधेयक को लेकर चिंता जाहिर की है। संगठनों ने चेतावनी दी है कि इस तरह का पूर्ण प्रतिबंधा उद्योग को बर्बाद कर देगा। इससे लोगों की नौकरियां तो जाएंगी ही, इसके अलावा करोड़ों उपोयगकर्ता अवैध विदेशी सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफार्मों की ओर धकेले जाएंगे। इसका उद्यम मूल्यांकन दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है और वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। यह प्रत्यक्ष और=अप्रत्यक्ष करों में सालाना 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है।एक चौकाने वाला आकड़ा यह कि भारतीय ऑनलाइन गेमर्स की कुल संख्या 2020 में 36 करोड़ से बढ़कर 2024 में 50 करोड़ से अधिक हो गई है। उद्योग ने जून 2022 तक 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित किया है। उद्योग निकायों ने जोर देकर कहा कि प्रतिबंध से वैश्विक निवेश और निवेशक भावना पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप 400 से अधिक कंपनियां बंद हो सकती हैं और दो लाख नौकरियां खत्म हो सकती हैं। इस अध्यादेश के मंजूर होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन कि इस बॉत को नकारा नही जा सकता कि अब भारत दुनिया की ऑलाइन गेमिंग का हब बन सकता है। सरकार शुरुआत से ही वैध ई–स्पोर्ट्स और गेम डेवलपर्स को बढ़ावा दे रही है। शतरंज समेत अन्य वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त ई–स्पोर्ट्स अब युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के दायरे में आते हैं। इसके साथ ही सरकार एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स सेक्टर को भी प्रोत्साहित कर रही है। इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए मुंबई में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी की स्थापना की गई है। वहीं, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के तहत विभिन्न सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी खोले गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कदम से एक ओर देश में ई–स्पोर्ट्स और क्रिएटिव गेमिंग सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। वहीं दूसरी ओर अवैध और जोखिमपूर्ण ऑनलाइन मनी–गेमिंग गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। दूसरी तरफ प्रस्तावित कानून को लागू करना नरेंद्र मोदी सरकार की संकल्प–शक्ति का एक बड़ा इम्तहान होगा। खुद सरकार ने बताया है कि देश के युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की लत बढ़ती चली गई है। इस कारण हर साल 45 करोड़ लोग पैसा गंवाते हैं।अब जब सरकार ने राजस्व पर सामाजिक हित को तरजीह देने का रुख लिया है, जिस पर उसे कायम रहना होगा। बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि उनके पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए, लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर जुआ जैसे कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते रहना किसी स्वस्थ समाज को कतई मंजूर नहीं हो सकता। क्योकि यह ऐसी मृगमरीचिका है जिसे देखने के बाद हर आम और खास इंसान बेशुध हो जाता है। यही नही अच्छे खासे जानकार और बुद्धिजीवी इस दलदल का शिकार हो कर बर्बाद हो गए और बर्बाद हो रहे है। कुल मिलाकर सरकार को इस अध्यादेश को लागू करने में अड़िग रहना होगा।

युवा और ओबीसी की बातों को अनसुना न करे सरकार

अमर बहादुर

पिछड़े दलित वंचित वर्ग का युवा सड़कों पर आंदोलन कर रहा है। न्याय की गुहार लगा रहा है। लेकिन कहीं भी उसकी बातों को सुना नहीं जा रहा। कहीं कोई सुन भी ले रहा है तो केवल आश्वासन देकर छोड़ देता है।

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार का जो वर्तमान हालात सामाजिक न्याय और राजनीतिक समन्वय का है उससे यह स्पष्ट है की भाजपा का सबका साथ, सबका विकास का नारा चुनावी जुमलाश बनकर रह गया। बिगड़ते सामाजिक व राजनितिक समन्वय और सामाजिक न्याय के हालात से युवा वर्ग तो नाराज है ही, साथ ही भाजपा गठबंधन में शामिल सहयोगी दल के पिछड़ा दलित समाज के नेता भी खुश नहीं हैं। पिछड़े दलित वंचित वर्ग का युवा सड़कों पर आंदोलन कर रहा है। न्याय की गुहार लगा रहा है। लेकिन कहीं भी उसकी बातों को सुना नहीं जा रहा। कहीं कोई सुन भी ले रहा है तो केवल आश्वासन देकर छोड़ देता है। पिछले दिनों विधानसभा के सामने दिव्यांग लोगों ने सरकार के नीतियों से नाराज होकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उच्च अधिकारियों से बात होने पर दिव्यांगों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। ऐसे ही उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती मामले को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी वर्ष 2020 से लगातार आंदोलन कर रहे हैं अभ्यर्थियों का आरोप है कि 69000 शिक्षक भर्ती में ओबीसी और एससी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण का लाभ ठीक प्रकार से नहीं दिया गया। जिस कारण से हजारों की संख्या में अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित हो गए। आंदोलन करने वाले अभ्यर्थी इस मामले को कोर्ट में भी लेकर गए। इलाहाबाद हाई कोर्ट की डबल बेंच ने अपना फैसला सुनाते हुए भर्ती की नई चयन सूची बनाने का आदेश दिया। इसे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने अपनी जीत माना। उन्हें इंतजार था की नई सूची बनेगी और नौकरी मिल जाएगी। लेकिन सरकार और अधिकारियों की लापरवाही ने इस मामले पर ब्रेक लगा दिया। वही नौकरी से बाहर होने की आशंका को लेकर कुछ सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट चले गए। अब यह प्रकरण पिछले लगभग एक साल से सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है सुनवाई नहीं हो पा रही। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सुनवाई न होने का आरोप सरकार लगाते हुए कहते हैं की सरकार सुनवाई में लापरवाही कर रही हैं। यह प्रकारण अभी तक निस्तारण की ओर बढ़ नहीं पाया। इसके अलावा तमाम युवा अन्य भर्तियों की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। कुछ विभागों में भर्ती को लेकर विज्ञापन आए तो उनकी परीक्षाओं में पूछे गए सवालों पर सावल खड़े हो गए। उसके लिए भी आंदोलन अभ्यर्थियों को करना पड़ा। परीक्षाओं की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हुए। लेकिन सरकार नौजवानों की बात को टालती रही यही कारण है युवा वर्ग वर्तमान भाजपा सरकार से नाराज है। अधिकारीयों के गलत फैसले के कारण सरकार को कई मामलो में मुंह की खानी पड़ी। अधिकारीयों के ऐसे निर्णय रहे जो युवाओं के हित में नहीं थे। समीक्षा अधिकारी जैसी परीक्षा दो शिफ्ट में कराए जाने की घोषणा की गई लेकिन युवाओं के बड़े और लंबे आंदोलन के कारण सरकार को यह फैसला वापस लेना पड़ा। इससे पहले भी शिक्षकों के अटेंडेंस मामले में भी सरकार को अपना कदम पीछे लेना पड़ा। प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर पर भी कर को अपने फैसले में बदलाव करना पड़ा। इन निर्णयों से यह बात तो स्पष्ट है कि सरकार जन मन की बात बिना समझे उस पर थोप रही थी। इसलिए विरोध का सामना उसे करना पड़ा। साथ ही छवि भी धूमिल हुई। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार बनती है। सरकार बनाने के वक्त से ही सामाजिक न्याय का चादर ओढ़ कर दिखवा करती हैं और राजनीतिक समन्वय स्थापित करने के लिए विभिन्न जातियों से आए नेताओं को मंत्री बनाती है। लेकिन उन्हीं मंत्रियों के समाज से आने वाली समस्याओं को तब भाजपा सरकार नजर अंदाज कर देती है जब वहाँ सामाजिक न्याय की बात आती हैं। ओबीसी सामाज के नेता आशीष पटेल जब सामाजिक न्याय सामाजिक समरसता की बात करने की कोशिश करते हैं तो उनकी बातों को हल्के में ले लिया जाता है। ऊपर जो 69000 शिक्षक भर्ती आंदोलन का जिक्र इस लेख में किया गया हैं, आशीष पटेल सरकार में रहते हुए सरकार से इस विषय के समाधान के लिए लगातार प्रयत्न किया लेकिन उनकी बातों को इग्नोर कर दिया गया। इसका परिणाम भाजपा को भुगतना पड़ा और लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद स्वयं आशीष पटेल ने टीवी चौनल पर बोलते हुए इस शिक्षक भर्ती प्रकरण के समाधान न होने का ठीकरा भाजपा पर फोडा था। वहीं जब शिक्षक भर्ती प्रकरण पर हाई कोर्ट डबल बेंच का आदेश आया तब उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने फैसले का स्वागत करते हुए इसे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की लड़ाई जीत बताया था। ऐसे दिग्गज और बड़े नेताओं के बयान से एक बात तो स्पष्ट है भाजपा ने सामाजिक समन्वय और न्याय की आड़ में जो राजनीतिक समन्वय स्थापित किया था वह बिगड़ चुका हैं। सामाजिक समन्वय में स्थापित करने के लिए भाजपा को इन नेताओं और युवाओं की बातों की ओर ध्यान देना ही होगा। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, डॉ संजय निषाद अपने समाज की समस्याओं को लेकर समय–समय पर भाजपा को चेतावनी देते रहते हैं। जिन मांगों को लेकर यह नेता भाजपा गठबंधन दल में सहयोगी के रूप में आए अभी तक उनकी ही मांग पूरी नहीं हो सकी। इधर लखनऊ के एक नामी 5 स्टार होटल में करीब 40 ठाकुर विधायकों की एक बैठक हुई, जिसे 'कुटुंब परिवार' नाम दिया गया। मिडिया रिपोर्ट के अनुसार यूपी में कुल 49 ठाकुर विधायकों में से लगभग 40 के इस जमावड़े ने सियासी हलकों में कई सवाल खड़े कर दिए। इसके के मायने जो भी हो लेकिन यह गुट बंदी भाजपा को अलग तनाव दे दिया है।

आत्मिक सुख शांति शुद्धता प्रदान करता पर्युषण पर्व

जैन समुदाय भाद्रपद महीने का दसदिवसीय महापर्युषण पर्व अत्यंत ही पवित्रता, धार्मिक नियम नीति, रहन सहन के तहत मनाते है । इन दिनों जैन परिवार में बुजुर्गों, पुरुषों, युवाओं, युवतियों, महिलाओं से बच्चों में पर्युषण पर्व की सभी प्रचलित धार्मिक मान्यता परम्परा, मर्यादाओं का अंतर्मन से निर्वाह किया जाता है ।

यह पर्व दिगम्बर समुदाय भाद्रपद शुक्ल पंचमी से चतुर्दशी तक एवं स्वेताम्बर समुदाय भाद्रपद कृष्ण द्वादशी से शुक्ल चतुर्दशी तक विधिवत समर्पित रहकर पालन करते है ।

इसमें दस दिवसीय पवित्रता को बरकरार रखना अनिवार्य है ।सम्पूर्णतया जीवन यापन का तरीका परिवर्तित किया जाता है । महापर्व में ब्रतधारी अन्तर्मन से संकल्प लेता है ,अन्तर्मन की भावनाओ को आत्मिक शक्ति बढ़ाने में ओतप्रोत जोड़ता है । यह उपवास शक्ति सामर्थ्य में निर्विघ्न अति आनंदपूर्वक सम्पन्न होता है । एक दिन, दो दिन, तीन दिन, पांच दिन, सात दिन, दस दिन से लेकर सोलह दिन बत्तीस दिन तक भक्तिमय एवं धार्मिक प्रचलित नियमधर्म का पालन करना पड़ता है ।

व्रत में बिना अन्नाहार किये रहते है । प्रतिदिन चौबीस घण्टे में एक निर्धारित समय में जल ग्रहण करते है । यह मन बुद्धि शरीर को नई अद्भुत शक्ति, नई ऊर्जा का अनुभव कराता है ब्रतधारी आत्म शुद्धि की एक अदभुत शक्ति प्राप्त करता है ।

इस ब्रत की विशेषता यह है कि जैन धर्म से जुड़े रीति रिवाज

सामान्य जीवनजीने की शैली से भिन्नताएं रहती है । कहा जा सकता है कि यह ब्रत एक पद्धति में सम्पन्न होता है । इसे नई पीढ़ी को लोग सीखते है, इस पर्व में व्याप्त नियम के पालन

की सीख अर्जित करके स्वयं के जीवन में नई शक्ति ग्रहण करते है । मन में आंनद उत्साह उमंगऔर खुशियां

की हलचल मच जाती है । सबसे आश्चर्य की बात व्रतधारी कदापि अपने आप को कमजोर महसूस करने के बजाय

जीवनजीने की दुगुनी ताकत का नया प्रकाश ह्र्दयमन में प्राप्त करता है, परमात्मा के प्रति प्रेम को तप त्याग से जगाता है, वहीं आत्मशक्ति प्राप्त करने में एक निश्चित स्थान में नियमधर्म में भक्तिमय भक्ति में अटूट व्यस्त रखता है ।

मोह माया से नाता तोड़ता देता, भौतिक सुखद जिंदगी,

या अन्य भौतिक सुख प्राप्त करने के कर्म को अस्थायी रूप से त्याग देता है, संयमी, सुखी, सन्तुष्ट लेने की प्रेरणा लेता है ।

मन को मोहमाया से बिल्कुल मुक्त रखता है ।

इस पर्व से मानसिक, शारीरिक,एवं धार्मिक शक्ति व ज्ञान

का अचंभित तरीके से उदय होता है । पर्युषण पर्व वास्तव में एक महापर्व है ।परि आसमंततात उच्चयन्ते दह्यन्ते पाप कर्माणि यस्मिन

पर्युषणाम अर्थात जो सब

तरफ से आत्मा को जलाए या तपाये वही है पर्युषण । इसका अर्थ होता है श्रेष्ठ आत्मभाव की उपासना, इसे ष्दशलक्षण पर्वष भी कहा जाता है

पर्युषणं पर्व को, दस दिन तक गुण के माध्यम से स्वभाव को परखने और शोधन की पूर्णतया उपासना की जाती है ।

ब्रतधारी स्वयं भीतरी एक अदभुत ताकत पाकर

अनोखा उत्फुल्लित प्रसंन्नता में रहता है । अपने समर्पित तप त्याग के भावविचार में बदलाव की अनुभूति करता है।

दस दिन तक कठिन ब्रत में केवल भक्ति से शक्ति मांगते है।

शक्ति का अनुभव का पूर्ण विश्वास ब्रत पूर्ण होते ही होता है।

यह पर्व करने में त्याग की भावनाओं को मन में सुश्चित अटल होना पड़ता है, अन्नाहार त्यागकर चित्त को भटकने के बजाय एकाग्र करना होता है,

प्रभु की शरण में ध्यान लगाकर मन को नियंत्रित रखते है।

ब्रत में एकान्त रहना यानि शरीर की सभी इंद्रियों की हलचल को काबू करना होता है। ब्रत पालन में संयमित तौर तरीके से रहना पड़ता है, अपने मन शरीर बुद्धि आत्मा,

खान पान आचार विचार नियंत्रित रखना अनिवार्य होता है।

मन की शक्तियों को जागृत करना जैन धर्म में बताया गया है।

इसका मूल उद्देश्य है कि विकारों पर व्रत के जरिये विजय अर्जित करने की शक्ति के अधीन संयमित रहना, आत्म शुद्धि का बढ़चढ़कर प्रयास करना,

मानव का जीवन जो बना है उसका परम् लक्ष्य भी यही है।

इसमें वही ब्रत वही कर सकता है जिसमें त्यागने की शक्ति

जागृत हो, वही ब्रत की शक्ति का सही अर्थ भलीभाँति समझ सकता है पुण्य अर्जित कर सकता है । यह पर्व मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों की आराधना उपासना का पर्व है । आत्म शोधन बिना जीवनजीने की ताकत कभी भी मिलना कठिन है ।महापर्व का महात्म्य जाग उठता है । इसमें आजकल जैन मंदिर में जैन धर्म के संस्कार धर्म आचार विचार रहन सहन से बच्चों को जोड़ने की कड़ियाँ जैन समुदाय में लाभांवित

हुईं है। इससे पूजा पद्धति संयम नियम की सीख मिलती है । इसमें मुख्यतः नियमो रीति रिवाजों पर ध्यान केंद्रित

करने की बेहतरीन सीख इन दिनों विशेष आयोजन में दी जाती है । पहले दिन से अंतिम दिन तक की अवधि में जैन मंदिर में धार्मिक स्थल में समस्त जैन परिवार समाज की एकजुटता होती है ।आपसी मेलमिलाप और आपसी परिचय

में ताकत उत्पन्न होती है। अपनी आस्था भक्ति से जुड़े पर्व में रहकर एक दूसरे के बीच समन्वय की विचारधारा को अंतिम

दिन आत्मिकता से प्रकट करते है। यही परम पुनीतधर्मपर्व दस दिवसीय पर्युषण पर्व कहलाता है ।

दस दिन तक उत्तम क्षमा, मार्दव, आजर्व,शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य व ब्रह्मचर्य इन दस धर्मो की भावना भाते है । विश्वभर में मानव को अशान्ति सताती प्रत्यक्ष हुई है । मानव दुखी व क्लांत है। यह पर्व पालन करके संयम तप

सरलता, सन्तोष, ब्रह्मचर्य, गुणों की साधना से जीवनजीने की सुखद नाव में सवार होकर आगे बढ़ सकता । इसमें

आत्मशुद्धि का समूचा मार्ग बड़ी आसानी से खुला रहता है।

मानव को जीवनजीने की ऐसी शक्तिशाली ताकत से जुड़कर

सुखद संतुष होने की सीख लेनी चाहिए एवं पालन करने में जुटना चाहिए ।

ललित शर्मा, असम

ट्रम्प के रुख से चीन–भारत करीब आये

संजीव ठाकुर

अमेरिका में 60वें राष्ट्रपति चुनाव के बाद चुनाव से अमेरिका में 47 वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा 50 वें उपराष्ट्रपति जे डी वेन्स चुने गए। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के पूर्व घोषणा की थी कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वे रूस यूक्रेन युद्ध और इसराइल हमास युद्ध को तत्काल रुकवाएंगे और वैश्विक आर्थिक तथा सामरिक शांति का प्रादुर्भाव करेंगे। अमेरिका एक शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी नीतियां,राजनीति एवं कूटनीति पूरी दुनिया के देशों को प्रभावित करती है। वह राजनीतिक सामरिक अथवा व्यापारिक लेनदेन के समझौते या युद्ध में मदद की बात को लेकर अमेरिका का दखल लगभग सभी मसलों में एक जैसा रहता है। यह अलग मुद्दा है कि पश्चिम एशिया,चीन, रूस एवं नॉर्थ कोरिया जैसे देश अमेरिका के धुर विरोधी रहे हैं। चीन और रूस के सामरिक,व्यापारिक और एटॉमिक मसलों पर अमेरिका से टकराते रहे हैं। यह गौर किए जाने वाली बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ही अमेरिका सहित अन्य कई देशों के दिशा–निर्देश तय करते थे, पर राष्ट्रपति चुने के जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणाओं के उलट ना तो वे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवा पाए हैं बल्कि ईरान पर बड़े हवाई जहाज हमले से एक नया विवाद खड़ा कर दिया था ले देकर ईरान इजरायल युद्ध रुकवा पाए हैं। दूसरी तरफ नए आयात टैरिफ लगाकर पूरे वैश्विक देश में बेचौनी तथा खलबली मचा दी है। वैश्विक आर्थिक सलाहकार और विशेषज्ञ किस डोनाल्ड ट्रंप की सनक ही बता रहे हैं। और उनके आयत टैरिफ को बहुत ही अपरिपक्व निर्णय की संज्ञा दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय देश तथा अन्य पश्चिमी देशों में आयात शुल्क पर काफी दरियादिली दिखाई है और यही वजह है कि नाटो तथा अन्य यूरोपीय देश अमेरिका का अभी भी समर्थन कर रहे हैं। अमेरिका के चुनाव के नतीजे से भारत के रिश्तों में काफी परिवर्तन हुआ है, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं डोनाल्ड ट्रंप के संबंध निजी तौर पर काफी प्रगाढ़ रहे थेजो। डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता के खिलाफ रहे पर अब पाकिस्तान पर उनकी मेहरबानियां काफी बढ़ गई है। उन्होंने पाकिस्तान सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच में बुलाकर पाकिस्तान के प्याले में तूफान लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की निराश उम्मीद पर पंख लग गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतकर चीन पर भी नियंत्रण रखने का प्रयास किया है । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन रूस यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल लिए जाने पर खासा नाराज हुए थे। भारत पर काफी दबाव भी डाला गया पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि रूस भारत का परंपरागत मित्र होने की वजह से और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध रूस ने भारत की एक तरफा मदद भी की थी। ऐसे में भारत स्पष्ट रूप से रूस के साथ सामरिक–आर्थिक मामलों में खड़ा हुआ है। आज की ताजा परिस्थिति का आंकलन करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती उनके चुनाव के परम सहयोगी टेस्ला के मालिक से पूरी तरह टूट चुकी है, दूसरी तरफ भारत तथा चीन ब्राजील व अन्य राज्यों पर भारी आयात शुल्क लगाने पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी नीति खुलकर सामने आ गई है अमेरिका ने पाकिस्तान जैसे महत्वहीन और फकीर देश को अपना नया शागिर्द बना लिया है। ट्रंप और पुतिन की रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता पूर्ण रूप से विफल रही, पुतिन ने अपनी शर्तें डोनाल्ड ट्रंप को साफ तौर पर बता कर कह दिया कि यूक्रेन को नाटो की किसी भी परिस्थिति में सदस्यता ना दी जाए। उधर यूक्रेन ने भी अमेरिका से बातचीत के बाद उसका रूस के साथ युद्ध विराम वाले आदेश को मानने से साफ इनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस द्वारा भारत को कम कीमत पर कच्चे तेल निर्यात किए जाने से कुपित होकर भारत पर 25 से लेकर 50ः तक आयात शुल्क लागू किया है। भारत ने इस अमेरिकी रुख पर अडिग होकर भारतीय व्यापार तथा नागरिकों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। और अमेरिका का वैकल्पिक बाजार तलाशने के तारतम्य में रूस के साथ दोस्ती को और मजबूत कर चीन के साथ भी दोस्ताना हाथ बढ़ाया है। विदेश मंत्री जयशंकर और एनआईए प्रमुख अजीत डोभाल की चीन की यात्रा उसके तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की है, जिससे भारत चीन व्यापारिक तथा कूटनीतिक संबंधों तेजी और थोड़ी प्रगाढ़ता आई है। भारतीय प्रधानमंत्री भारत और चीन के नए संबंधों के समीकरणों को मजबूत करने के लिए चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले हैं। भारत और चीन के आपसी संबंध मधुर होते ही रूस ने इसका स्वागत किया है। अब भारत रूस चीन तथा ब्राजील एक नए धरातल पर खड़े नजर आ रहे हैं। भारत रूस चीन की त्रिकोणीय जोड़ी विश्व में अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के विरुद्ध एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरती दिखाई दे रही है। यह अलग अलग बात है कि चीन भी अमेरिका से कम धोखेबाज नहीं है भारत का चीन के साथ पुराने अनुभव बहुत मधुर नहीं रहे हैं। किंतु बदली हुई परिस्थितियों में डोनाल्ड ट्रंप के इस आर्थिक तथा टैरिफ युद्ध के कारण भारत और चीन काफी नजदीक आ गए हैं।

अनुराग कश्यप द्वारा बनाई गई निशानची में ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो समेत कई अन्य फिल्मी जोड़ी

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप बिना किसी शक भारतीय सिनेमा के बेहतरीन फिल्ममेकरों में से एक हैं। उन्हें न सिर्फ अपनी अनोखी कहानी कहने की कला के लिए जाना जाता है बल्कि वह अपनी फिल्मों में दिलचस्प किरदारों के लिए मशहूर हैं। अनोखी कहानियां कहने और किरदारों के बीच अलग तरह की केमिस्ट्री दिखाने की काबिलियत उन्हें सबसे अलग बनाती है। कश्यप ने दर्शकों को हर बार ऐसी जोड़ियां दी हैं जो असली और यादगार लगे। इन जोड़ियों ने फैंस के बीच खास जगह बनाई है। उनकी सोच हमेशा सीमाओं को तोड़ती हैं और स्क्रीन पर रिश्तों को दिखाने का तरीका बदल देती है। अब, एक बार फिर, अनुराग कश्यप अपनी आने वाली फिल्म निशानची में नए अंदाज की कैमिस्ट्री और जोड़ी के साथ लौट रहे हैं। फिल्म 19 सितंबर को रिलीज हो रही है और इसमें ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो नजर आएंगे। तो आइए हम उन कुछ अनोखी कैमिस्ट्री और जोड़ियों पर नजर डालते हैं जिन्हें अनुराग कश्यप ने बनाया है!

गैंग्स ऑफ वासेपुर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और हुमा कुरैशी

गैंग्स ऑफ वासेपुर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और हुमा कुरैशी ने फैजल खान और मोहसिना का किरदार निभाते हुए कमाल की कैमिस्ट्री से जादू बिखेरा था। उनकी जोड़ी अनोखी, असली और ताजगी से भरी लगी, और इसी चीज ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस तरह से यह अनुराग कश्यप की सबसे यादगार ऑन–स्क्रीन जोड़ी में से एक बन गई, जिसे आज भी उसके असलीपन के लिए खूब पसंद और सराहा जाता है।

गैंग्स ऑफ वासेपुर 2 में मनोज बाजपेयी और रीमा सेन

गैंग्स ऑफ वासेपुर 2 में मनोज बाजपेयी ने सर्दार खान और रीमा सेन ने दुर्गा के रूप में एक अलग और जबरदस्त कैमिस्ट्री दिखाई। उनके रिश्ते में मौजूद परतों और असलीपन ने दर्शकों को उनकी ऑन–स्क्रीन उलझी हुई लेकिन आकर्षक केमिस्ट्री में अपनी ओर खींच लिया था। इस जोड़ी को पेश करने के साथ अनुराग कश्यप ने अपने टैलेंट से सभी का दिल जीत लिया, साथ ही उन्होंने परंपराओं को तोड़ते हुए नए और अलग जोड़ियां तैयार की। ऐसे में दर्शक आज भी मनोज बाजपेयी और रीमा सेन की इस खास और गहरी केमिस्ट्री को याद करते हैं।

देव डी में अभय देओल और मही गिल

देव डी में अभय देओल ने देव और मही गिल ने पारो के किरदार में असल और अलग तरह की कैमिस्ट्री दिखाई। उनका रिश्ता कभी–कभी नोंकझोंक वाला, लेकिन दिल से जुड़ा हुआ था, जो कहानी को आगे लेकर चला। इस जोड़ी ने दिखाया कि अनुराग कश्यप नए और अलग जोड़ियों को बनाने में कितने माहिर हैं। कहना होगा कि यह कैमिस्ट्री आज भी दर्शकों को याद है।

निशानची में ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो

अनुराग कश्यप फिर एक बार नई और अलग कैमिस्ट्री से सजी जोड़ी के साथ आ रहे हैं। इस बार वह निशानची फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे के ट्विन रोल, बबलू और डबलू और वेदिका पिंटो के रिंकी जैसे किरदारों को साथ लेकर आए हैं। पहले ही फिल्म के ट्रेलर के गानों में इस नई जोड़ी को देखा जा चुका है। जिससे दर्शकों में उन्हें देखने का उत्साह और बढ़ गया है।

मनमरजियां में तापसी पन्नू और विक्की कौशल

मनमरजियां में तापसी पन्नू ने रुमी और विक्की कौशल ने विक्की संधु के किरदार में जोश और जुनून से भरी कैमिस्ट्री दिखाई। उनकी अलग सोच, अलग भावनाओं और उनके बेफिक्र अंदाज ने स्क्रीन पर एक खास तालमेल बनाया। अनुराग कश्यप की कहानी कहने के स्टाइल ने इस जोड़ी को दर्शकों के बीच खास और यादगार बना दिया है।

> निकाह के बाद से ही मावरा होकेन इससे जुड़ी हर रस्म की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। बात पक्की, हल्दी सेरेमनी की तस्वीरों के बाद अब मावरा होकेन ने मेहंदी सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं।

अपकमिंग फिल्म 'परम सुंदरी' से जाह्नवी कपूर ने किया अपने किरदार का खुलासा, कहा–हाफ तमिलियन और हाफ मलयाली..

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी को लेकर खूब चर्चा में हैं, जिसमें वह एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। रिलीज से पहले एक्ट्रेस अलग–अलग अंदाज में फिल्म को प्रमोट करती नजर आ रही हैं। इसी बीच जाह्नवी ने अपने आने वाली फिल्म में अपने किरदार का खुलासा किया है। जाह्नवी कपूर ने कहा, "कलाकार के तौर पर नहीं, बल्कि ऑडियंस के तौर पर भी, मैं बहुत दिनों से एक रोम–कॉम करना चाहती थी। ऐसी हल्की–फुल्की रोमांटिक मूवी, जिसे देखते हुए चेहरे पर मुस्कान आ जाए। आखिरकार मैंने ऐसी कहानी कर ली है, जो मुझे मेरी जड़ों की ओर वापस ले जाती है।"जाह्नवी ने फिल्म परम सुंदरी में अपने किरदार के बारे में दिलचस्प बात भी शेयर की। उन्होंने कहा, "मैं मलयाली नहीं हू, न ही मेरी मां थीं। लेकिन मेरी फिल्म का किरदार हाफ तमिलियन और हाफ मलयाली है।जाह्नवी ने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए बताया कि उनकी लाइन–अप काफी मजबूत है। वह करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी और अपनी पहली पैन–इंडिया फिल्म पेड्डी में राम चरण के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

तलाक की अफवाहों के बीच पत्नी संग रोमांटिक हुए अर्जुन बिजलानी, ट्रोलर्स को मिला करारा जवाब

टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर और पसंदीदा कपल्स में शुमार अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी पिछले कुछ दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरें उड़ रही हैं कि अर्जुन अपनी पत्नी से तलाक लेने जा रहे हैं। हालांकि, अब खुद अर्जुन ने इन तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए स्थिति स्पष्ट कर दी है। अर्जुन बिजलानी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी पत्नी नेहा स्वामी के साथ रोमांटिक मूड में नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों के बीच की केमिस्ट्री और स्नेह साफ झलक रहा है। वीडियो में अर्जुन और नेहा साथ में मुस्कुराते, करीब आते और एक–दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताते नजर आए, जिससे कपल के फैंस को राहत की सांस मिली है। अर्जुन ने वीडियो के साथ एक कैप्शन भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन दोनों चर्चाओं तलाक और बिग बॉस पर खुलकर बात की। उन्होंने लिखा पिछले वीडियो में मैंने जो भी कहा था, उसका मतलब था लेकिन मैंने कहा था कि कयास न लगाएं। इसलिए मैं क्लियर कर दूं कि न तो मैं बिग बॉस कर रहा हूं और न ही तलाक ले रहा हूं। बस यहां उठने के लिए हूं। इस मजाकिया और स्पष्ट संदेश के साथ अर्जुन ने कई हंसने वाले इमोजी भी लगाए, जिससे यह साफ हो गया कि उनका मकसद सिर्फ हल्के–फुल्के अंदाज में बातें करना था, न कि किसी बड़े एलान का संकेत देना। अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी ने 2013 में शादी की थी और तब से यह जोड़ी इंडस्ट्री में एक मजबूत और स्थिर रिश्ते की मिसाल बनी हुई है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक–दूसरे के साथ खूबसूरत पलों की तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं।

जंगल के केबिन में छुपा है घर का हर रहस्य, डिजाइन देख हैरान होंगे!

लंबे समय से चल रहे रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन का प्रसारण शुरू हो चुका है और कला निदेशक उमंग कुमार का कहना है कि इस बार घर को डिज़ाइन करते समय उनका उद्देश्य इसे एक ऐसा रूप देना था जो नया, अनोखा और रहस्यमय हो। बिग बॉस का 19वां संस्करण रविवार रात से शुरू हो चुका है और इस बार भी अभिनेता सलमान खान इसके प्रस्तोता हैं। बिग बॉस के सेट डिजाइनर और निर्देशक उमंग कुमार हैं, जो अपनी पत्नी वनिता कुमार के साथ मिलकर कई सालों से बिग बॉस के घर को डिज़ाइन कर रहे हैं। इस जोड़ी ने इस सीजन के लिए 'केबिन इन द वुड्स' (जंगल के बीच एक केबिन) की थीम पर आधारित एक घर तैयार किया है। यह एक रंगीन लकड़ी का ढांचा है, जिसमें प्रकृति, कल्पनाशीलता और प्रतीकात्मकता के तत्वों का सुंदर मेल नजर आता है। कुमार ने 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा ''सीजन 19 के लिए यह एक जंगल में बना केबिन है, जो बाहर से गर्मजोशी भरा और स्वागत करने वाला लगता है, लेकिन हर कोने में चौंकाने वाले तत्व छुपे हैं... हमने इसमें कुछ काल्पनिक जीव जंतुओं का समावेश किया है और सतर्क निगाहों जैसी कल्पनाशील चीजें जोड़ी हैं ताकि प्रतिभागियों पर नजर रखी जा सके।'' उमंग कुमार हर साल बिग बॉस के घर को एक नई थीम के साथ बनाते हैं, जो शो की खासियत है। उन्होंने बताया कि इस सीजन की थीम है – 'घरवालों की सरकार' लेकिन यह ध्यान खास तौर पर रखा गया है कि घर का डिज़ाइन किसी राजनीतिक शैली जैसा न हो। उन्होंने कहा ''यह घर बिल्कुल तटस्थ है। ऐसा नहीं है कि मैंने दीवार पर हथौड़ा टांग दिया हो या अदालत के कक्ष जैसा सेट बना दिया हो। वह बहुत ज्यादा हो जाता। सिर्फ एक कमरा 'असेंबली रूम' इस राजनीतिक थीम को दर्शाता है। बाकी पूरा घर रंग–बिरंगा, स्वागतयोग्य और लॉग केबिन स्टाइल में है, जिसे लंबे समय तक रहने के लिहाज़ से डिज़ाइन किया गया है।'' 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले कुमार कई फिल्मों में प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उनके अनुसार, इस बार के घर की मूल अवधारणा जंगल में जीवन और कैंपिंग के अनुभव के इर्द–गिर्द घूमती है। घर के इंटीरियर में लकड़ी की गर्माहट और चटख रंगों का संयोजन किया गया है, जो पूरे माहौल में जीवन का संचार करता है। घर के डिज़ाइन में कल्पनाशील हाइब्रिड प्राणी और प्राकृतिक तत्वों का तालमेल शो की मनोवैज्ञानिक परतों और अप्रत्याशित भावनाओं को दर्शाता है।

आखिरकार सच हुई परिणीति चोपड़ा की प्रेग्नेंसी की खबर, राघव के घर गूंजेगी नन्हे मेहमान की किलकारी

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने सितंबर 2023 में उदयपुर में एक भव्य शादी के बंधन में बंध गए। तब से, परिणीति मुंबई, दिल्ली और लंदन के बीच व्यस्त हैं। शादी के बाद से ही अभिनेत्री गर्भावस्था की अफवाहों के घेरे में रही हैं क्योंकि उनका वजन बढ़ गया था, लेकिन तब परिणीति ने इन अफवाहों का खंडन किया था। लेकिन क्या पता? अब यह सच है! परिणीति और राघव ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

परिणीति और राघव ने गर्भावस्था की घोषणा की

सोमवार को, इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट के साथ यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने एक खूबसूरत सजे हुए केक की तस्वीर शेयर की, जिसे एक गोल चाँदी की थाली में रखा गया था और उसके ऊपर एक मुलायम बेज रंग का कपड़ा बिछा था, जिसके पास ही नाजुक सफ़ेद फूल रखे थे। बीच में, केक के दो छोटे पैरों के सुनहरे निशान हैं और साथ में 1 + 1 = 3 लिखा है, जो उनके बढ़ते परिवार का संकेत देता है। इस पोस्ट में परिणीति और राघव का एक वीडियो भी शामिल है, जिसमें वे कैमरे की तरफ पीठ करके एक पार्क में टहल रहे हैं और हाथ पकड़े हुए साथ–साथ चल रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ष्हमारा छोटा सा ब्रह्मांड... अपने रास्ते पर है (बुरी नज़र और लाल दिल वाले इमोजी)... असीम आशीर्वाद।ष पोस्ट शेयर होते ही कमेंट सेक्शन बधाई संदेशों से भर गया। सोनम कपूर ने लिखा, ष्बधाई हो डार्लिंगष् और अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने लिखा, बधाई हो। यह खुशखबरी राघव द्वारा इस महीने की शुरुआत में द ग्रेट इंडियन कपिल शो के एक एपिसोड में परिणीति के साथ आने के दौरान अपने परिवार को बढ़ाने की योजना के संकेत देने के तुरंत बाद आई है। कपिल शर्मा के साथ बातचीत के दौरान, राघव ने परिवार शुरू करने की अपनी योजना के बारे में संकेत दिया, जिससे परिणीति दंग रह गईं। इस बातचीत के दौरान, कपिल ने एक निजी किस्सा सुनाया कि कैसे उनकी माँ उनकी पत्नी के घर में आते ही सीधे ग्रैंडकिड मोड में आ गईं और नवविवाहित जोड़े को जल्दी योजना बनाने की सलाह दी। इसके बाद, राघव ने कहा, देंगे, आपको देंगे... गुड न्यूज जल्दी देंगे! परिणीति चौंक गईं। जब कपिल ने आगे बढ़ते हुए पूछा, ष्गुड न्यूज आ रहा है क्या? लड्डू बांटने लगे क्या? तो राघव ने एक शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, ष्देंगे (हम देंगे)... किसी समय। परिणीति और राघव ने 24 सितंबर, 2023 को राजस्थान के उदयपुर स्थित लीला पैलेस होटल में शादी के बंधन में बंध गए। इस शादी में मनोरंजन जगत और राजनेताओं के कई जाने–माने चेहरे, करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। परिणीति अक्सर सोशल मीडिया पर अपने पति–आप सांसद के लिए खुशी जाहिर करती रहती हैं।

बचे हुए खाने को इस तरह करेंगे रिहीट तो नहीं होगा सॉगी

अगर रात में रोटी या पराठा बच गया है तो उसे दोबारा गरम करने के लिए तवे का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे वह दोबारा उतनी ही क्रिस्पी और टेस्टी लगती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि पराठे को थोड़ा घी या बटर लगाकर सेंक लो।

हम सभी के घर में अक्सर खाना बच ही जाता है। अमूमन हम अपने घर में खाना एक अंदाजे से बनाते हैं। लेकिन कभी कोई खाना स्किप कर देता है या फिर बहुत कम खाता है तो इससे खाना बच ही जाता है। ऐसे में हम सभी उस बचे हुए खाने को फ्रिज में स्टोर कर देते हैं। लेकिन अगले दिन जब उस खाने को दोबारा गरम किया जाता है तो उसमें फिर से वह क्रिस्पीनेस नहीं होती है, जो होनी चाहिए। अगर दोबारा गरम करने पर खाना सॉगी हो जाता है तो किसी का भी मन उसे खाने का नहीं करता। अक्सर इस स्थिति में हम खाने को बाहर फेंक देते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बचे हुए खाने को रिहीट करने के कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करने से वह खाना दोबारा उतना ही टेस्टी व क्रिस्पी महसूस होगा–

तवे पर यूं करें खाना गरम

अगर रात में रोटी या पराठा बच गया है तो उसे दोबारा गरम करने के लिए तवे का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना जाता है। इससे वह दोबारा उतनी ही क्रिस्पी और टेस्टी लगती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि पराठे को थोड़ा घी या बटर लगाकर सेंक लो। इससे पराठे का टेस्ट और भी ज्यादा बेहतर हो जाएगा।

माइक्रोवेव में यूं करें खाना गरम

आज के समय में हम सभी खाना गरम करने के लिए माइक्रोवेव का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। माइक्रोवेव में खाना गरम करना काफी आसान है। लेकिन जब माइक्रोवेव में खाना गरम किया जाता है, तो वह अक्सर सॉगी हो जाता है। ऐसे में आप एक आसान ट्रिक को अपनाएं। इसके लिए खाने के ऊपर एक गीला टिश्यू या माइक्रोवेव सेफ़ ढक्कन रख दें। इससे भाप बनेगी और खाना एकसमान गरम होगा। इससे खाना खाने में ना सूखा लगेगा और ना ही उसे चबाने में मुश्किल होगी।

एयर फ्रायर में यूं करें खाना गरम

आज के समय में लोग अपने घरों में एयर फ्रायर का इस्तेमाल करने लगे हैं। बचे हुए खाने खासतौर से स्नैक्स को रिहीट करने के लिए एयर फ्रायर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। अगर आपके घर में समोसा, फ्राइज़, कटलेट, पिज़्ज़ा आदि बच गया है तो आप उसे 180°C पर 3–5 मिनट के लिए रिहीट करें। हालांकि, इससे पहले आप दो मिनट के लिए एयरफ्रायर को प्रीहीट जरूर करें। इससे वह फिर से उतने ही क्रिस्पी हो जाएंगे। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि आप एयर फ्रायर की बास्केट को ओवरफिल ना करें।

बच्चे की आंख में लगा रही हैं भर-भर कर काजल तो ये बड़े नुकसान भी जान लें

भारतीय घरों में यह परंपरा बहुत पुराने समय से चली आ रही है कि बच्चे के जन्म के कुछ ही दिनों बाद उसकी आंखों में काजल लगाया जाता है। परिवार में मां, दादी या नानी यह मानती हैं कि काजल लगाने से बच्चे की आंखें बड़ी, चमकदार और खूबसूरत दिखती हैं और नजर भी तेज होती है। कई परिवारों में इसे रोजाना या नियमित अंतराल पर लगाया जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या सच में काजल लगाने से आंखों को कोई फायदा होता है, या यह केवल एक पुरानी मान्यता है? क्या यह छोटे बच्चों की नाजुक आंखों के लिए सुरक्षित है। इस लेख में हम जानेंगे कि बच्चों की आंखों में काजल लगाना सही है या नहीं।

क्या काजल से सच में आंखें बड़ी हो जाती हैं?

क्या काजल से सचमुच आंखें बड़ी होती हैं? इस सवाल का जवाब डॉक्टर साफ तौर पर ना में देते हैं। उनका कहना है कि यह एक पूरी तरह से गलत धारणा है कि बच्चे की आंखों में काजल लगाने से उनका साइज बढ़ जाता है या उनकी रोशनी तेज हो जाती है। नेत्र विज्ञान के अनुसार, आंख का आकार और उसकी रोशनी प्राकृतिक रूप से तय होती है, जिस पर काजल का कोई असर नहीं पड़ता। यह सिर्फ एक पुरानी मान्यता है, जिसे लोग पीढ़ी दर पीढ़ी मानते आ रहे हैं, जबकि इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

बच्चे की आंखों में काजल लगाने के नुकसान

बच्चों की आंखें बहुत नाजुक होती हैं और ऐसे में काजल लगाने से फायदा नहीं बल्कि नुकसान ही ज्यादा होता है। मार्केट में मिलने वाले ज्यादातर काजल पूरी तरह से साफ या स्टरलाइज्ड नहीं होते, जिससे आंखों में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। कई बार काजल लगाने से आंखों में जलन, खुजली और लगातार पानी आने जैसी दिक्कतें भी शुरू हो सकती हैं। अगर पलकों के अंदर काजल लगाया जाए तो यह ऑयल ग्लैंड को ब्लॉक कर सकता है, जिससे आंखों में सूजन और पानी बहने की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा आजकल मिलने वाले काजल में केमिकल मौजूद होते हैं, जो छोटे बच्चों की नाजुक आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

डॉक्टर की क्या सलाह है?

डॉक्टर के अनुसार, बच्चे की आंखों में कभी भी काजल नहीं लगाना चाहिए क्योंकि यह उनकी नाजुक आंखों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर परंपरा या मान्यता की वजह से काजल लगाना जरूरी लगे तो इसे आंखों के अंदर न लगाकर केवल बच्चे के माथे या कान के पीछे लगाया जा सकता है, यह तरीका अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है। डॉक्टर का कहना है कि बच्चे की आंखें तभी सचमुच सुंदर और आकर्षक लगती हैं जब वे पूरी तरह स्वस्थ और साफ रहती हैं, इसलिए उनकी देखभाल और स्वच्छता पर ही ध यान देना चाहिए। बच्चों की आंखों में काजल लगाने से न तो आंखें बड़ी होती हैं और न ही उनकी रोशनी बढ़ती है। बल्कि इसके उलट, इससे आंखों में जलन, खुजली, इन्फेक्शन और सूजन जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसी कारण डॉक्टर की सलाह है कि बच्चे की आंखों में काजल बिल्कुल नहीं लगाना चाहिए और उनकी आंखों को साफ व स्वस्थ रखना ही सबसे बेहतर विकल्प है।

मुंह का कैंसर होने के ये 2 संकेत, बिल्कुल न करे लापरवाही पड़ सकती है भारी

आज के समय में मुंह का कैंसर भारत में सबसे तेजी से फैलने वाले कैंसरों में से एक बन चुका है। दुर्भाग्य से ज़्यादातर लोग इसे तब तक गंभीरता से नहीं लेते, जब तक लक्षण बढ़ न जाएं या हालत बिगड़ न जाए। जबकि हकीकत ये है कि इसकी शुरुआत अक्सर कुछ आम आदतों से होती है, जिन्हें हम नजरअंदाज करते रहते हैं। इस लेख में हम बात करेंगे मुंह के कैंसर के दो मुख्य कारणों की, जिन्हें अगर समय रहते पहचाना और छोड़ा जाए, तो इस खतरनाक बीमारी से बचा जा सकता है।

तंबाकू और गुटखा का सेवन दृ सबसे बड़ा कारण

भारत में मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है तंबाकू, गुटखा, पान मसाला और सुपारी का सेवन। ये चीजें जब रोजाना लंबे समय तक चबाई जाती हैं, तो उनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के अंदर की त्वचा और टिश्यूज को धीरे–धीरे खराब करना शुरू कर देते हैं। अक्सर शुरुआत में सिर्फ छाले, जलन या सफेद चकत्ते दिखते हैं, जिन्हें लोग मामूली समझकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ये शुरुआती संकेत होते हैं कि शरीर में कुछ गड़बड़ शुरू हो गई है। गुटखा और तंबाकू के कारण मुंह में घाव ठीक नहीं होते, और वहीं से कैंसर सेल्स पनपना शुरू कर देते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि जब तक कैंसर डिटेक्ट होता है, तब तक वह आखिरी स्टेज में पहुंच चुका होता है। इसलिए अगर आप या आपके घर में कोई तंबाकू, गुटखा या सुपारी का सेवन कर रहा है तो आज ही इसे रोकने का संकल्प लें। ये आदत सिर्फ एक लत नहीं, एक धीमा जहर है।

बार–बार मुंह में छाले या घाव को नजरअंदाज करना

बहुत बार लोगों को लगता है कि मुंह में होने वाले छाले, जलन या हल्की सूजन कोई बड़ी बात नहीं है, ये तो गर्म चीजें खाने या मसालेदार खाने से हो जाती हैं। लेकिन अगर यही छाले दो हफ्तों से ज़्यादा समय तक न ठीक हों, तो ये संकेत हो सकता है कि कुछ गंभीर हो रहा है।

मुंह का कैंसर अक्सर इसी तरह की छोटी–छोटी समस्याओं से शुरू होता है, जिन्हें लोग घरेलू नुस्खों से ठीक करने की कोशिश करते हैं या खुद से ही इलाज करना शुरू कर देते हैं। लेकिन कैंसर के शुरुआती लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है।

बार–बार छाले होना
मुंह में गांठ बनना
गालों में सूजन
जबड़े का हिलना मुश्किल होना
आवाज में बदलाव

ये सभी संकेत हो सकते हैं कि आपको डॉक्टर को तुरंत दिखाने की जरूरत है।

कई बार छोटे–छोटे घाव कैंसर का शुरुआती रूप होते हैं, जिन्हें अगर सही समय पर पकड़ लिया जाए, तो इलाज संभव है। लेकिन देरी आपकी सेहत और जिंदगी दृ दोनों को जोखिम में डाल सकती है।

लापरवाही न करें, समय रहते चेत जाएं

मुंह का कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय रहते पहचाना जाए तो यह पूरी तरह से ठीक भी हो सकता है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी आदतों पर नजर रखें और शरीर के संकेतों को हल्के में न लें। तंबाकू और गुटखा छोड़ना सिर्फ एक स्वास्थ्य निर्णय नहीं, बल्कि जीवन बचाने वाला कदम है। और अगर मुंह में किसी तरह की असामान्यता दिखे दृ जैसे छाले, घाव, जलन, या रंग में बदलाव तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। आपकी थोड़ी सी सतर्कता और जागरूकता, आपको और आपके परिवार को इस गंभीर बीमारी से बचा सकती है।

डल स्किन भी हो जाएगी ब्राइटन, बस किचन की इन चीजों का करें इस्तेमाल

अगर आपकी स्किन डल व बेजान नजर आने लगी है तो ऐसे में आप हल्दी और दही की मदद से एक ब्राइटनिंग फेस पैक बना सकती हैं। हल्दी स्किन के रूखेपन को कम करने के साथ–साथ एक ब्राइटनेस भी लेकर आती है।

हम सभी एक ब्राइटन स्किन चाहते हैं और इसके लिए तरह–तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार आप मार्केट में मौजूद प्रोडक्ट्स पर ही भरोसा करें। बल्कि अगर आप चाहें तो खुद घर पर अपने किचन इंग्रीडिएंट्स की मदद से भी डल और बेजान स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं। जी हां, डल स्किन की समस्या आज के समय में बेहद आम होती जा रही है। बहुत अधिक तनाव, धूल–मिट्टी, प्रदूषण व खान–पान का असर सिर्फ सेहत ही नहीं, स्किन पर भी देखने को मिलता है। जिसकी वजह से स्किन काफी थकी हुई, बेजान व डल नजर आती है। ऐसे में अपनी स्किन को फिर से रिजुविनेट करने के लिए आप अपनी किचन का ही रुख कर सकते हैं। हम सभी की किचन में ऐसे कई आम इंग्रीडिएंट्स होते हैं, जो स्किन के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते हैं। साथ ही, केमिकल फ्री होने की वजह से आपको अपनी स्किन को लेकर परेशान होने की भी जरूरत नहीं होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ किचन इंग्रीडिएंट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी डल स्किन में फिर से नई जान डालने में मदद करेंगे–

हल्दी और दही से बनाएं ब्राइटनिंग पैक

अगर आपकी स्किन डल व बेजान नजर आने लगी है तो ऐसे में आप हल्दी और दही की मदद से एक ब्राइटनिंग फेस पैक बना सकती हैं। हल्दी स्किन के रूखेपन को कम करने के साथ–साथ एक ब्राइटनेस भी लेकर आती है। वहीं, दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को हल्का एक्सफोलिएट करते हैं, जिससे स्किन दमकने लगती है। इसके लिए आधा चम्मच हल्दी को दो चम्मच दही में डालकर मिक्स करें और एक स्मूथ पेस्ट बना लें। अब अपनी स्किन को क्लीन करके इस पैक को चेहरे पर लगाएं। करीबन 15–20 मिनट बाद अपने चेहरे को धो लें।

बेसन और दूध से बनाएं ब्राइटनिंग पैक

अगर आपकी स्किन ऑयली व चिपचिपी नजर आने लगी है तो ऐसे में बेसन और दूध की मदद से एक ब्राइटनिंग पैक बनाया जा सकता है। जहां बेसन चेहरे की गंदगी और अतिरिक्त तेल सोख लेता है। वहीं, दूध स्किन को हल्का एक्सफोलिएट करता है, जिससे स्किन ब्राइटन नजर आती है। फेस पैक बनाने के लिए आप दो बड़े चम्मच बेसन में आवश्यकतानुसार दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। करीबन 10–15 मिनट बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

संक्षिप्त

त्योहारों से पहले देशवासियों को मिलेगा तोहफा, 22 सितंबर से लागू हो सकती हैं नई जीएसटी दरें

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद देश में त्योहारी मांग को बढ़ावा देने के लिए 22 सितंबर के आसपास नए जीएसटी दर स्लैब लागू कर सकती है। यह कार्यान्वयन नवरात्रि के त्योहारों के साथ होने की उम्मीद है। सरकारी सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। जीएसटी परिषद 3–4 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में बैठक करेगी, जिसमें केंद्र के 5: और 18: की सरलीकृत दो–दर वाली जीएसटी संरचना के प्रस्ताव पर विचार–विमर्श किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, परिषद के निर्णय के पाँच से सात दिनों के भीतर नई दरों की अधिसूचना जारी होने की संभावना है। दरों को युक्तिसंगत बनाने, क्षतिपूर्ति उपकर और स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) की इस सप्ताह की शुरुआत में बैठक हुई और सैद्धांतिक रूप से केंद्र की दो–स्तरीय जीएसटी योजना पर सहमति बनी। केंद्र द्वारा प्रस्तावित सुधारों के अनुसार, जीएसटी वर्तमान चार–स्तरीय 5:, 12:, 18: और 28: की दर से दो–दर प्रणाली में परिवर्तित हो जाएगा। वस्तुओं और सेवाओं को श्योग्यताश (5:) और श्मानकश (18:) श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। चुनिंदा विलासिता और हानिकारक वस्तुओं, जैसे अल्ट्रा–प्रीमियम कारों पर 40: की विशेष दर लागू होगी, जबकि कुछ श्रम–प्रधान वस्तुओं पर रोज़गार–प्रधान क्षेत्रों को सहायता प्रदान करने के लिए 0.1:, 0.3: या 0.5: जैसी कम रियायती दरें जारी रहेंगी। स्वतंत्रता दिवस 2025 पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी सुधारों की घोषणा की थी और उन्हें श्जीएसटी 2.0श बताया था। जीएसटी को 2017 में अपनी शुरुआत के बाद से सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक बताते हुए, उन्होंने आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग और एमएसएमई को राहत प्रदान करने के लिए इसे युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा है कि नई जीएसटी व्यवस्था लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगी और विनिर्माण एवं एमएसएमई में वृद्धि को बढ़ावा देगी। पिछले हफ़्ते दरों को युक्तिसंगत बनाने, बीमा कराधान और क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूहों (जीओएम) को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार का यह प्रस्ताव भारत के आत्मनिर्भर भारत बनने की यात्रा में जीएसटी सुधारों की अगली पीढ़ी की शुरुआत करने के दृष्टिकोण से है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 683 इकाइयां बेचीं

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी नई आवासीय परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की 683 आवासीय इकाइयां बेचने की सोमवार को दी जानकारी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने हैदराबाद के राजेंद्र नगर स्थित अपनी परियोजना 'गोदरेज रीगल पैवेलियन' में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां बेची हैं। परियोजना इस महीने की शुरुआत में पेश की गई थी। कंपनी ने 12 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले 683 मकान बेचे हैं। इस विशाल परियोजना का कुल विकास योग्य क्षेत्रफल 41.4 लाख वर्ग फुट है। इसकी अनुमानित राजस्व क्षमता 3,600 करोड़ रुपये है। ग्राहकों की प्रतिक्रिया पर गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, '' यह परिणाम विश्वसनीय, ब्रांड आवासों के प्रति बढ़ती रुचि एवं हैदराबाद की मजबूत विकास क्षमता को दर्शाता है।

रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ 87.34 प्रति डॉलर पर

सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों के समर्थन से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.34 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.38 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 87.34 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.52 पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 285.62 अंक चढ़कर 81,592.47 अंक पर और निफ्टी 91.25 अंक की बढ़त के साथ 24,961.35 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की चढ़कर 67.80 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को लिवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,622.52 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ओयो नवंबर में आईपीओ के लिए दाखिल कर सकती है दस्तावेज : सूत्र

यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी ओयो आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए नवंबर में प्राथमिकी दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करने की योजना बना रही है। कंपनी अपने आईपीओ के लिए सात से आठ अरब डॉलर के मूल्यांकन पर नजर गड़ाए हुए है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। मामले से वाकिफ सूत्रों ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि कंपनी अगले हफ्ते अपने निदेशक मंडल के समक्ष इस संबंध में प्रस्ताव रख सकती है। संपर्क करने पर कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, '' हम ओयो की आईपीओ संबंधी योजनाओं से संबंधित किसी भी समयसीमा पर टिप्पणी नहीं कर सकते, क्योंकि यह एक ऐसा निर्णय है जो ओयो के निदेशक मंडल द्वारा निर्देशित होगा एवं पूरी तरह से उनके विवेक पर निर्भर करता है। फिलहाल, ओयो अपने हितधारकों के वास्ते मूल्य बढ़ाने के लिए कई रणनीतिक विकल्पों का मूल्यांकन जारी रखे हुए है।'' सूत्रों के अनुसार, प्रमुख बैंकिंग साझेदारों के साथ चर्चा हाल के सप्ताहों में तेज हो गई है। मूल्यांकन मार्गदर्शन अब सात से आठ अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 70 रुपये प्रति शेयर) आंका गया है, जो संभावित रूप से कर पूर्व आय के 25–30 गुना के दायरे में होगा।

वनडे में 12 दोहरे शतक में से सात भारतीयों के नाम, मैक्सवेल के नाम डबल सेंचुरी का अनूठा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट के इतिहास में दोहरा शतक लगाना किसी बल्लेबाज के करियर का सबसे बड़ा मुकाम माना जाता है। अब तक इस फॉर्मेट में कुल 12 बार बल्लेबाजों ने डबल सेंचुरी बनाई है, और इसमें से सात बार भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा किया है। यह टीम इंडिया की बल्लेबाजी ताकत का बड़ा सबूत है। हालांकि, ग्लेन मैक्सवेल दोहरे शतक का भी अनूठा रिकॉर्ड अपने नाम रखते हैं। आज ही के दिन 2012 में मैक्सवेल ने अपना पहला वनडे खेला था और 13 साल बाद वह दोहरे शतक के मामले में एक बेहतरीन रिकॉर्ड के मालिक हैं।

सचिन ने लगाया था पहला दोहरा शतक

इस ऐतिहासिक सिलसिले की शुरुआत 2010 में सचिन तेंदुलकर ने की थी, जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाकर वनडे में पहला दोहरा शतक जड़ा। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा लगातार बढ़ता गया। वीरेंद्र सहवाग ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि रोहित शर्मा ने तो इतिहास ही बदल दिया। रोहित के नाम तीन–तीन दोहरे शतक हैं, जिनमें 2014 में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई 264 रनों की पारी अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

हिटमैन के नाम तीन दोहरे शतक

इसके अलावा हिटमैन ने 2013 में ऑस्ट्रलिया के खिलाफ 209 रन और 2017 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 208 रन बनाए थे। भारतीय बैटिंग के नए सितारे भी इस लिस्ट में शामिल हुए। ईशान किशन ने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 210 रन ठोके, जबकि शुभमन गिल ने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर डबल सेंचुरी क्लब में एंट्री की।

गेल और गुप्टिल भी लिस्ट में शामिल

अगर विदेशी खिलाड़ियों की बात करें तो वेस्टइंडीज के क्रिस

गेल (215 रन अे जिम्बाब्वे) और न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल (237' अे वेस्टइंडीज) ने भी इस क्लब में जगह बनाई। पाकिस्तान के फखर जमां ने 2018 में 210' रन बनाए और हाल ही में श्रीलंका के पाथुम निसंका ने 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ 210' रन बनाकर इस खास रिकॉर्ड के क्लब में शामिल हुए।

मैक्सवेल का अनूठा रिकॉर्ड

हालांकि, इन सबके बीच ग्लेन मैक्सवेल का नाम सबसे अलग और खास है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने 2012 में अपना वनडे डेब्यू किया था और 11 साल बाद, 2023 में उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 201' रनों की नाबाद पारी खेलकर ऐसा कमाल कर दिया जो किसी ने नहीं किया था। मैक्सवेल वनडे इतिहास के अब तक के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने सफल चेज में दोहरा शतक जमाया। यह पारी उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और मानसिक मजबूती दोनों की मिसाल बन गई। 2025 में भी मैक्सवेल का यह रिकॉर्ड कायम है।

भारतीय बल्लेबाजी है खास

आज जब भी वनडे के सबसे यादगार व्यक्तिगत प्रदर्शनों की चर्चा होती है, भारतीय बल्लेबाजों के सात दोहरे शतक और ग्लेन मैक्सवेल का यह अनोखा कारनामा हमेशा सुर्खियों में रहता है। यह साबित करता है कि क्रिकेट सिर्फ रन बनाने का खेल नहीं, बल्कि दबाव की घड़ी में टीम को जीत दिलाने का जज्बा भी है।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन का धमाका, 42 गेंदों में शतक के साथ ठोका प्लेइंग 11 के लिए दावा

नई दिल्ली। एशिया कप की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। नौ सितंबर से टूर्नामेंट का आगाज होगा जबकि भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से करेगी। इससे पहले भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन ने धमाकेदार प्रदर्शन के साथ सनसनी फैला दी है। उन्होंने 42 गेंदों में शतक लगाकर प्लेइंग 11 के लिए दावा मजबूत किया है।

सैमसन का तूफानी शतक

इन दिनों सैमसन केरल क्रिकेट लीग में कोचि ब्लू टाइगर्स के लिए खेलते नजर आ रहे हैं। रविवार को एरीज कोल्लम सेलर्स के खिलाफ मैच में स्टार बल्लेबाज ने 51 गेंदों में 121 रन बनाए और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अपनी इस पारी के दौरान दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 14 चौके और छह छक्के लगाए और 237 रनों के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

मोहम्मद आशिक ने दिलाई रोमांचक जीत

सैमसन ने मोहम्मद शानू (39 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 गेंदों पर 89 रनों की विशाल साझेदारी की। उनके आउट होने के बाद, मोहम्मद आशिक ने 18 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 45' रनों की तूफानी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने आखिरी गेंद पर शराफुद्दीन को लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाकर मैच का रोमांचक अंत किया और जीत के लिए जरूरी छह रन पूरे कर लिए।

गिल–सैमसन दोनों टीम में शामिल

भारत ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए हाल ही में 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी जिसमें गिल को भी मौका दिया गया था। गिल पिछले कुछ समय से टी20 टीम से बाहर थे और उनकी अनुपस्थिति में सैमसन ओपनिंग के लिए उतर रहे थे। अब दोनों टीम में शामिल हैं तो देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन किस तरह प्लेइंग–11 का संयोजन तैयार करता है। दरअसल, शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी से संजू सैमसन का प्लेइंग 11 में जगह बना पाना मुश्किल माना जा रहा है। गिल को अभिषेक के साथ ओपनिंग करते देखा जा सकता है, जबकि विकेटकीपर के तौर पर 15 सदस्यीय स्क्वॉड में जितेश शर्मा को शामिल किया गया है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि कप्तान सूर्यकुमार यादव किसे मौका देते हैं और किसे बाहर बिठाते हैं।

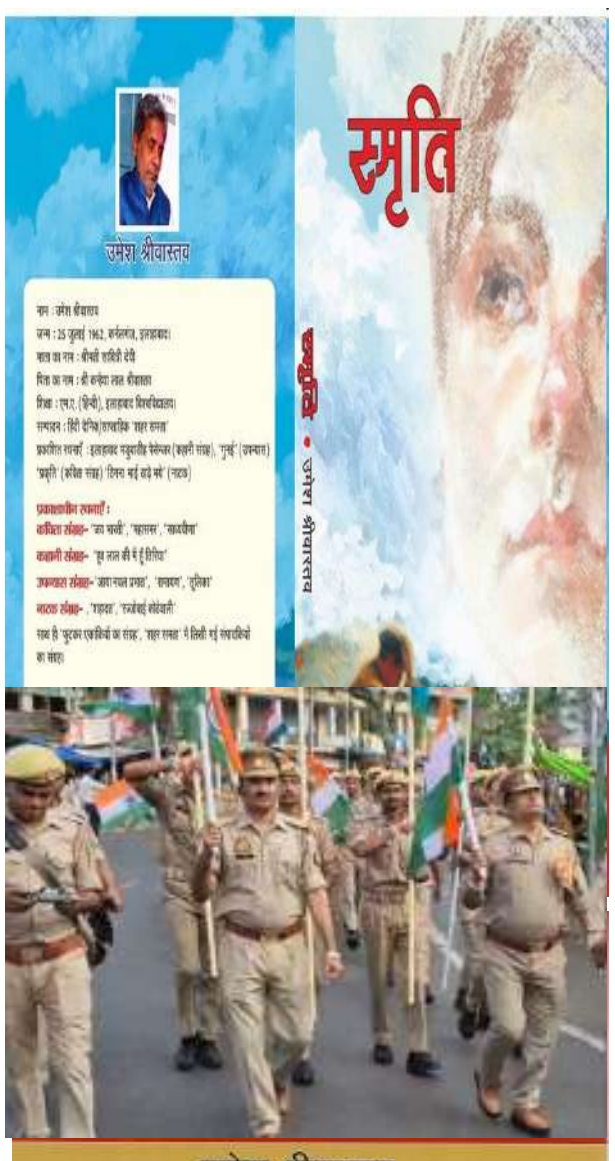

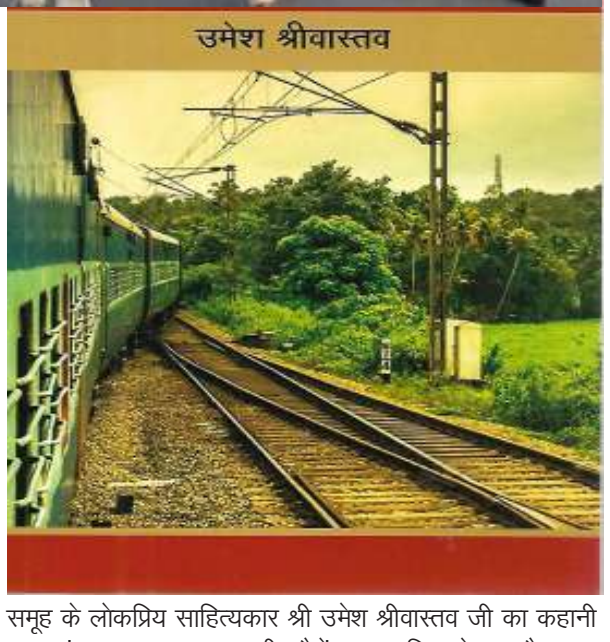

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

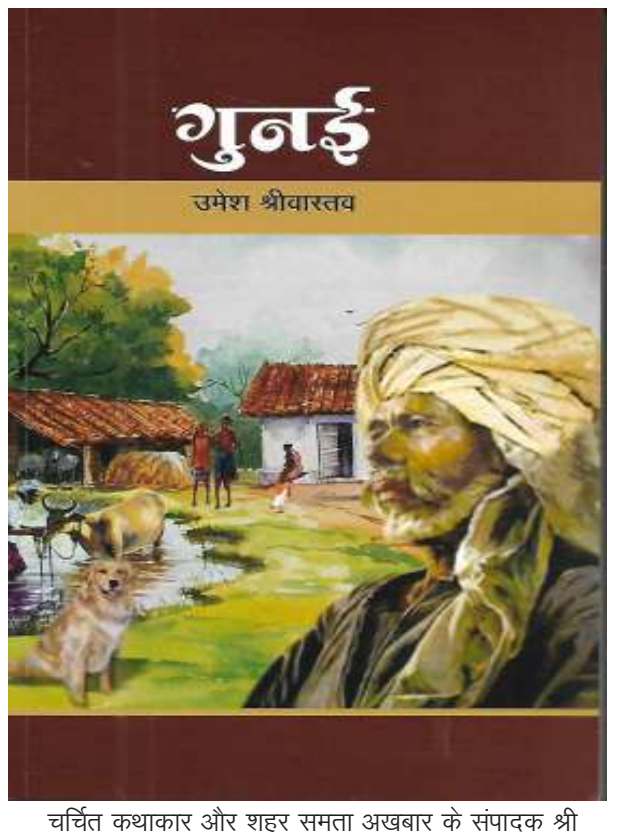

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

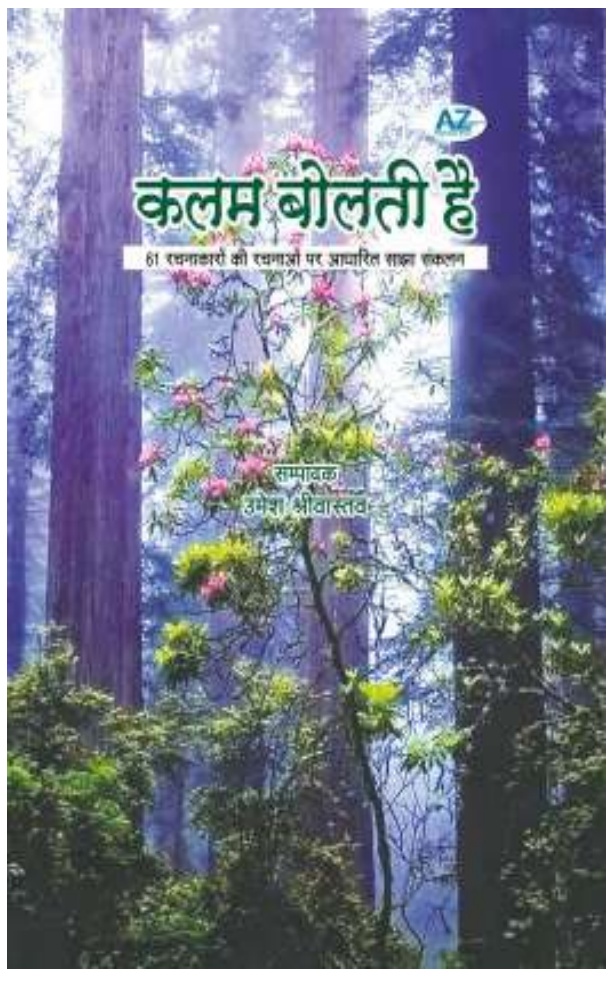

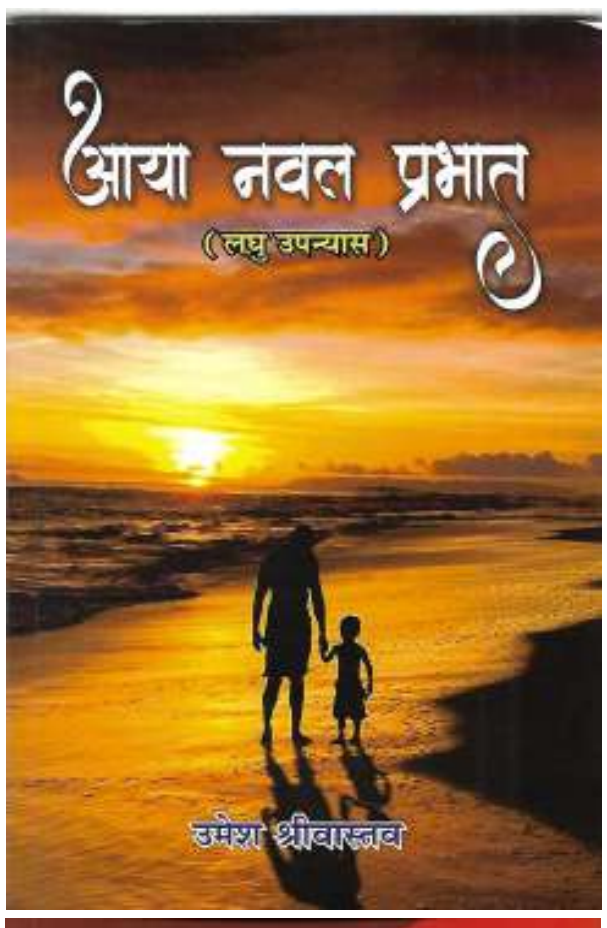

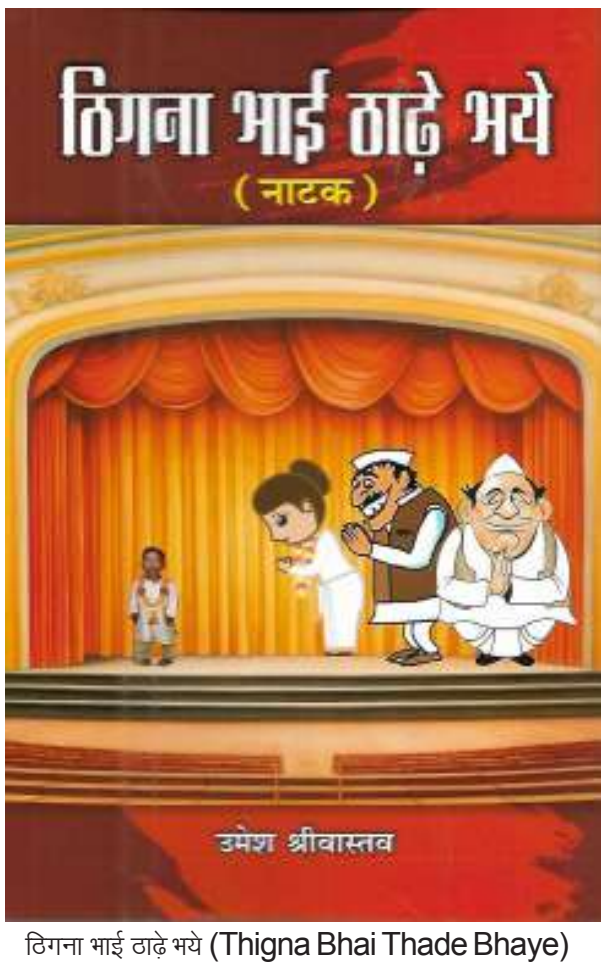

गाजा में अस्पताल पर हमले में कई पत्रकारों की मौत, जंग शुरू होने से अब 192 ने गंवाई जान

दीर अल–बलाह। दक्षिणी गाजा के नासर अस्पताल पर हुए इस्राइली हमले में सोमवार को कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें चार पत्रकार भी शामिल हैं। इन हमलों में मरने वालों में एक समाचार एजेंसी की फ्रीलांसर पत्रकार मरियम डग्गा भी थीं, जो गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से एपी और अन्य मीडिया संस्थानों के लिए रिपोर्टिंग कर रही थीं। मरियम डग्गा हाल ही में नासर अस्पताल के डॉक्टरों की उस जद्दोजहद पर रिपोर्ट कर रही थीं, जहां स्वस्थ बच्चों को भूख और कुपोषण के कारण मौत से जूझते देखा गया।

अल–जजीरा और रॉयटर्स के भी पत्रकार हुए घायल

वहीं अल–जजीरा ने पुष्टि की है कि उनके भी एक पत्रकार मोहम्मद सलाम भी इस हमले में मारे गए हैं। वहीं, रॉयटर्स ने बताया कि उसका कॉन्ट्रैक्टर कैमरामैन हुस्साम अल–मसरी भी मारा गया, जबकि उसका फोटोग्राफर हातेम खालिद घायल हो गया।

22 महीने के जंग में कुल 192 पत्रकारों की मौत

कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (सीपीजे) के अनुसार, पिछले 22 महीनों में गाजा में अब तक 192 पत्रकारों की मौत हो चुकी है। इसके मुकाबले रूस–यूक्रेन युद्ध में अब तक 18 पत्रकारों की मौत हुई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय और सेना ने इस घटना पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

लेबनान से सेना हटाने पर नेतन्याहू का ऑफर

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि अगर हिजबुल्ला को निशस्त्र किया गया तो इस्राइल लेबनान से अपनी सेना हटा सकता है। उन्होंने लेबनानी कैबिनेट के हालिया फैसले का स्वागत किया जिसमें हिजबुल्ला को 2025 के अंत तक निशस्त्र करने का प्रस्ताव है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर लेबनान इस दिशा में ठोस कदम उठाता है तो इस्राइल अपनी सेना को चरणबद्ध तरीके से दक्षिणी लेबनान से हटा सकता है।

संक्षिप्त

नाइजीरिया में सेना के हवाई हमलों में 35 इस्लामी चरमपंथी ढेर

नाइजीरिया की सेना ने देश के उत्तर–पूर्वी इलाके में हवाई हमलों में कम से कम 35 संदिग्ध चरमपंथियों को ढेर कर दिया। नाइजीरिया इस समय चरमपंथ और फिर से सक्रिय हो रहे आतंकवादी संगठन बोको हराम के खतरे का सामना कर रहा है। नाइजीरिया की वायुसेना के प्रवक्ता एहिमेन एजोडामे के अनुसार, ये हवाई हमले कैमरून की सीमा से सटे बोर्नो प्रांत के कुम्शे क्षेत्र में चार ठिकानों पर किए गए। एजोडामे ने कहा कि इलाके में तैनात सैनिकों पर हमले की कोशिशों के बाद चरमपंथी कुम्शे क्षेत्र में इकट्ठा हो गए थे। उन्होंने कहा, ''इस अभियान के बाद सैनिकों से संपर्क फिर से स्थापित किया गया और उन्होंने बताया कि वहां हालात अब स्थिर हैं।'' राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार हालांकि जिहादी हमलों पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रही है लेकिन उसे इसमें सफलता नहीं मिली है।

नेपाल आधिकारिक तौर पर 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' में शामिल हुआ

नेपाल आधिकारिक तौर पर 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' (आईबीसीए) का सदस्य बन गया है। आईबीसीए ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईबीसीए ने कहा, ''नेपाल ने मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और इसी के साथ ही वह औपचारिक रूप से 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' (आईबीसीए) में शामिल हो गया है।'' आईबीसीए की स्थापना बाघ, तेंदुए और

हिम तेंदुए सहित इनकी सात प्रजातियों के संरक्षण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। आईबीसीए ने कहा, ''नेपाल में हिम तेंदुए, बाघ और सामान्य तेंदुए पाए जाते हैं और इसके आईबीसीए में शामिल होने से इस प्रजाति के अन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में वैश्विक सहयोग मजबूत होगा।'' आईबीसीए ने इस कदम के लिए नेपाल सरकार को बधाई दी है। नेपाल में 2022 तक बाघ आबादी लगभग तीन गुना बढ़ाकर 355 हो गई (अब तक की नवीनतम जनगणना के अनुसार), जो 2009 में मात्र 121 थी।

उत्तर कोरिया ने किया हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो मिसाइलों का परीक्षण

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के वार्षिक सैन्य अभ्यास के बीच, उत्तर कोरिया ने देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो नयी मिसाइल का परीक्षण किया। देश के नेता किम जोंग उन इस परीक्षण के दौरान मौजूद रहे। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी' (केसीएनए) ने अपनी खबर में बताया कि शनिवार को किए गए परीक्षण ने दर्शाया कि ये मिसाइल ड्रोन और क्रूज़ मिसाइल के हमलों से निपटने में

सक्षम हैं। खबर में कहा गया कि किम जोंग उन ने अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले एक प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन से पहले रक्षा वैज्ञानिकों को कुछ ''महत्वपूर्ण'' कार्य भी सौंपे हैं। खबर में हालांकि यह जानकारी नहीं दी गई कि ये मिसाइल किस प्रकार की थीं या ये परीक्षण कहां किया गया।यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यूंग शिखर सम्मेलन के लिए तोक्यो की यात्रा पर हैं। इस बैठक में उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ द्विपक्षीय सहयोग और अमेरिका के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया, ताकि उत्तर कोरिया की परमाणु महत्वाकांक्षाओं जैसी साझा चुनौतियों का सामना किया जा सके। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने पिछले सोमवार को अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' शुरू किया। यह अभ्यास परमाणु–हथियार संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों से निपटने की तैयारियों का हिस्सा है।

अमेरिका : दुर्घटना में मौत के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय मूल के ट्रक चालक को जमानत देने से इनकार

फ्लोरिडा राजमार्ग पर तीन लोगों की जान लेने वाले एक घातक हादसे के आरोपी भारतीय मूल के ट्रक चालक को अदालत ने शनिवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। हरजिंदर सिंह (28) पर वाहन दुर्घटना में मौत होने के तीन मामले दर्ज किए गए हैं। उन पर अपने ट्रक से गलत तरीके से यू–टर्न लेने का आरोप है, जिसके कारण 12 अगस्त को फोर्ट पियर्स में घातक दुर्घटना हुई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

व्हाइट हाउस से बात करो, रूसी तेल पर निक्की हेली की भारत को दो टूक चेतावनी

डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय–अमेरिकी रिपब्लिकन सहयोगी और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली ने भारत से रूसी तेल आयात पर तुरंत रोक लगाने का आग्रह किया है। उन्होंने रविवार को एक बयान में कहा कि भारत को इस मुद्दे पर शजितनी जल्दी हो सकेश व्हाइट हाउस के साथ मिलकर समाधान निकालना चाहिए। हेली के अनुसार, दोनों देशों के बीच दशकों की दोस्ती मौजूदा व्यापारिक तनावों और रूसी तेल आयात जैसे मुद्दों से निपटने का एक ठोस आधार प्रदान करती है। हेली का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के संबंधों में हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ गया है। ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर द्वितीयक टैरिफ लगाए हैं। इसके अलावा, भारत ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिका की मध्यस्थता की कथित भूमिका को भी अस्वीकार कर दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच मतभेद और

गहरा गए। वर्तमान में, भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत से ऊपर हैं, जो ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा हैं। इस श्अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्णश कदम की भारत ने कड़ी निंदा की है, क्योंकि इससे कपड़ा और समुद्री निर्यात जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक कड़ा संदेश जारी कर स्पष्ट किया कि भारत अपने किसानों और मछुआरों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भले ही इसकी कीमत चुकानी पड़े।

चीन को लेकर क्या कहा?

अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट और न्यूजवीक के एक लेख में, निक्की हेली ने जोर देकर कहा कि इन मतभेदों के बावजूद, दोनों देशों को अपने साझा लक्ष्यों से ध्यान नहीं हटाना चाहिए। उनके अनुसार, चीन का सामना करने के लिए अमेरिका को भारत जैसे मजबूत दोस्त की आवश्यकता है। हेली ने आगाह किया कि वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच संबंध टूटने की कगार पर हैं और इन्हें फिर से पटरी पर लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को चीन की तरह एक विरोधी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को सलाह दी कि वे टैरिफ के मुद्दों या भारत–पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिका की भूमिका को दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच दरार पैदा करने की अनुमति न दें।

भारत के लिए रूस से तेल क्यों है महत्वपूर्ण?

रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद, रूस पर लगे प्रतिबंधों के कारण वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें बढ़ गईं। रूस ने भारत जैसे देशों को कम कीमत पर तेल की पेशकश की, जो भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया। भारत ने इस अवसर का लाभ उठाया, जिससे उसे अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने में मदद मिली। हालांकि, यह कदम अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय बन गया है, जो रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहते हैं। यह स्थिति भारत के लिए एक कूटनीतिक चुनौती बन गई है, जहां उसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी के बीच संतुलन साधना पड़ रहा है।

पाकिस्तान और बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकियां दक्षिण एशिया में बना रही हैं नए समीकरण

भारत के लिए सतर्कता बरतने का समय

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच मंत्रिस्तरीय बातचीत के बाद कुछ ऐसे संकेत सामने आए हैं जो दक्षिण एशिया की कूटनीति को नई दिशा दे सकते हैं। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने 1971 की त्रासदी को "बीता हुआ अध्याय" बताकर संबंधों में नई शुरुआत की बात की है जबकि बांग्लादेश ने जवाबदेही और माफ़ी की अपनी पुरानी मांग दोहराई है। इस पृष्ठभूमि में दोनों देशों के रिश्तों के भविष्य और भारत पर इसके संभावित असर को लेकर चर्चाएं शुरू हो गयी हैं। सबसे पहले पाकिस्तानदृबांग्लादेश संबंधों के संभावित

भविष्य की बात करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों के बीच शिक्षा, व्यापार, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और छात्रवृत्तियों जैसे क्षेत्रों में हुए समझौते संकेत देते हैं कि दोनों देश व्यावहारिक हितों के आधार पर रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके अलावा, 1971 की घटनाएँ अब भी बांग्लादेशी मानस और राजनीति में गहरे तक मौजूद हैं। जब तक पाकिस्तान औपचारिक माफ़ी नहीं माँगता, पूर्ण विश्वास बहाली कठिन रहेगी। साथ ही, चीन दोनों देशों के बीच पुल बनाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान पहले से ही चीन का करीबी साझेदार है और बांग्लादेश में भी उसका निवेश बढ़ रहा है। यह धुरी संबंधों को गति दे सकती है। इस सबके भारत पर संभावित प्रभाव की बात करें तो भारत के पूर्वी पड़ोसी बांग्लादेश और पश्चिमी पड़ोसी पाकिस्तान अगर धीरे–धीरे रिश्ते सामान्य करते हैं, तो यह भारत की क्षेत्रीय सुरक्षा रणनीति के लिए नई चुनौती होगी। साथ ही अगर ढाकादृइस्लामाबाद समीपता चीनी समर्थन से होती है, तो दक्षिण एशिया में चीनदृपाकिस्तानदृबांग्लादेश त्रिकोण भारत की सुरक्षा और आर्थिक हितों को घेरने की स्थिति बना सकता है। इसके अलावा, बांग्लादेश अगर पाकिस्तान से रिश्ते सुधारने लगता है तो भारत के साथ उसकी पारंपरिक निकटता संतुलन की तलाश में बदल सकती है। भारत को चाहिए कि वह बांग्लादेश के साथ बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करे ताकि ढाका की कूटनीति में भारत की अहमियत बनी रहे। वैसे, पाकिस्तानदृबांग्लादेश संबंधों में हालिया गर्मजोशी व्यावहारिक हितों पर आधारित है, न कि ऐतिहासिक विश्वास पर। बांग्लादेश, पाकिस्तान से आर्थिक अवसर ले सकता है, लेकिन 1971 की पीड़ा को इतनी आसानी से भुला नहीं पाएगा। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उपप्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार के रूप में 13 वर्षों बाद कोई पाकिस्तानी विदेश मंत्री बांग्लादेश की यात्रा पर पहुँचा था। इशाक डार ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन, जमात–ए–इस्लामी के अमीर शफ़ीकुर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया से मुलाक़ात की। हम आपको याद दिला दें कि 1971 का युद्ध और पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए अत्याचार बांग्लादेश की राष्ट्रीय स्मृति में गहरे अंकित हैं। लाखों लोगों की जानें गईं, असंख्य महिलाओं के साथ हिंसा हुई और यह त्रासदी आज भी रिश्तों की सबसे बड़ी बाधा है। पाकिस्तान का दावा है कि 1974 के त्रिपक्षीय समझौते (भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच) के बाद यह अध्याय "बंद" हो गया। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पाकिस्तानी सेना के पूर्व अध्यक्ष परवेज मुशर्रफ़ ने 2002 में ढाका जाकर "पछतावे" की बात की थी, लेकिन बांग्लादेश इसे पर्याप्त नहीं मानता। बांग्लादेशी मंत्री तौहीद हुसैन ने पाकिस्तान से साफ़ कहा है कि बांग्लादेश अब भी "जवाबदेही और क्षतिपूर्ति" चाहता है और पाकिस्तान को औपचारिक रूप से माफी माँगनी चाहिए। हालांकि दोनों देशों के बीच चल रहे विवादों के बावजूद इशाक डार की बांग्लादेश यात्रा के दौरान कई समझौते भी हुए। जैसे दोनों देशों के राजनयिकों और अधिकारियों के लिए वीजा मुक्त यात्रा का करार हुआ है। साथ ही व्यापार व शिक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए संयुक्त कार्यदल की स्थापना की गयी है। इसके अलावा, विदेशी सेवा अकादमियों में सहयोग बढ़ाया जायेगा। साथ ही सरकारी समाचार एजेंसियों ठै (बांग्लादेश) और ।च्ब्ब् (पाकिस्तान) के बीच साझेदारी की घोषणा की गयी है। इसके अलावा, चंपेजंद–ठंदहसंकमी झदवूसमकहम ब्ततपकवत के तहत अगले पाँच सालों में 500 बांग्लादेशी छात्रों को पाकिस्तान में छात्रवृत्ति दी जायेगी। 100 सिविल सेवकों के प्रशिक्षण की योजना भी बनी है। तकनीकी सहायता कार्यक्रम के तहत छात्रवृत्तियाँ 5 से बढ़ाकर 25 की गईं हैं। हम आपको यह भी बता दें कि इशाक डार का जमात–ए–इस्लामी के अमीर शफ़ीकुर रहमान और बीएनपी नेता खालिदा ज़िया से मुलाक़ात करना एक राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। दरअसल जमात–ए–इस्लामी 1971 में पाकिस्तान का समर्थक रहा था और अब भी बांग्लादेशी राजनीति में विवादित है। वहीं खालिदा ज़िया, जो प्रधानमंत्री शेख़ हसीना की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी रही हैं, से मुलाक़ात पाकिस्तान की राजनीतिक समीकरण साधने की कोशिश समझी जा रही है। इसके अलावा, बांग्लादेश के विदेश सलाहकार ने यह स्वीकार किया है कि चीन, पाकिस्तान–बांग्लादेश संबंधों को मजबूत करने के पक्ष में है।

न्यूयॉर्क में पलटी दूर बस, भारतीय समेत 5 की मौत, 54 जख्मी

न्यूयॉर्क में एक भयानक सड़क हादसे में एक भारतीय नागरिक सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना तब हुई जब नियाग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क शहर लौट रही एक टूर बस बफ़ेलो के बाहरी इलाके में राजमार्ग पर पलट गई। इस बस में कुल 54 यात्री सवार थे। यह दुखद घटना शुक्रवार को दोपहर करीब 12रू22 बजे (स्थानीय समयानुसार) पेम्ब्रोक के पास इंटरस्टेट 90 पर हुई। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस के अनुसार, बस पूर्व की ओर जा रही थी जब ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, बस बीच में जा गिरी, और फिर खाई में पलट गई। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ट्रूप कमांडर मेजर

आंद्रे रे ने बताया कि बस के पलटने पर कई यात्री बाहर गिर गए या उछलकर बस के चारों ओर जा गिरे। हादसे में मरने वालों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। मृतकों की पहचान बिहार के 65 वर्षीय शंकर कुमार झा, न्यू जर्सी की 60 वर्षीय पिंकी चांगरानी, चीन के 22 वर्षीय ज़ी होंगझुओ, और न्यू जर्सी के 55 वर्षीय झांग शियाओलान व 56 वर्षीय जियान मिंगली के रूप में हुई है। मेजर रे ने बताया कि पांचों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि हालांकि, अब किसी भी घायल की स्थिति श्जीवन के लिए खतराश वाली नहीं है। बस में सवार ज्यादातर यात्री भारतीय, चीनी या फ़िलिपीनी थे, जिनकी उम्र 1 से 74 साल के बीच थी। बस को स्टेटन द्वीप स्थित एम एंड वाई टूर इंक. द्वारा संचालित किया जा रहा था। दुर्घटना के कारण ।–90 पर दोनों दिशाओं में यातायात बंद हो गया था, जिसे बाद में खोल दिया गया। जांचकर्ताओं ने शुरुआती तौर पर ड्राइवर की लापरवाही, नशे की हालत या यांत्रिक खराबी को दुर्घटना का कारण नहीं माना है। पुलिस के अनुसार, बस बहुत बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। ड्राइवर 'जीवित और स्वस्थ' है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने इस हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका कार्यालय राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

यूक्रेन ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला किया : रूस

रूस ने यूक्रेन पर पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र में ड्रोन से हमले करने का आरोप लगाया। हमले के बाद परमाणु ऊर्जा संयंत्र में आग लग गई। यूक्रेन ने रूस पर यह हमला ऐसे वक्त में किया है जब वह आजादी के 34 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। रूस के अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुए हमलों में कई बिजली और ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया गया।

संयंत्र की प्रेस सेवा ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर कहा कि परमाणु संयंत्र में लगी आग को तत्काल बुझा दिया गया और इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हमले में एक ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त हो गया हालांकि विकिरण का स्तर सामान्य सीमा के भीतर है।

संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी निकाय ने कहा कि उसे मीडिया से जानकारी मिली है कि संयंत्रों में एक ट्रांसफॉर्मर में ''सैन्य कार्रवाई के कारण'' आग लग गई थी, लेकिन उसे इसकी पुख्ता जानकारी नहीं है। पोस्ट में कहा गया कि परमाणु निगरानी निकाय के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी का मानना है कि ''प्रत्येक परमाणु संयंत्र की हर वक्त सुरक्षा की जानी चाहिए।'' यूक्रेन ने कथित हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।